दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 181 | ग्वालियर शुक्रवार, 21 अप्रैल 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

नारोदा गाम हिंसाःमाया कोडनानी- बाबू बजरंगी समेत 67 आरोपी बरी; गुजरात दंगे के 9 केस में क्या-क्या हुआ?

गुजरात के नरोदा गाम मामले में अहमदाबाद के विशेष अदालत ने फैसला सुना दिया है. स्ढ्ढञ्ज मामलों के विशेष जज एस के बक्शी की कोर्ट ने नरोदा गाम दंगा मामले में 67 आरोपियों को बरी कर दिया है. इनमें पूर्व मंत्री माया कोडनानी और बजरंग दल के नेता बाबू बजरंगी का नाम भी शामिल है.दरअसल, साल 2002 में हुए इस दंगे में 11 लोगों की मौत हुई थी. जिसमें पुलिस ने जांच के आधार पर गुजरात की पूर्व मंत्री और बीजेपी नेता माया कोडनानी व बजरंग दल के नेता बाबू बजरंगी सहित 86 लोगों को आरोपी बनाया गया था. इस मामले में 86 आरोपी थे जिसमें से ट्रायल के दौरान 18 की मौत हो चुकी है.घटना साल 2002 के 27 फरवरी की है, उस दिन साबरमती एक्सप्रेस अयोध्या से गुजरात पहुंची थी. गुजरात में एंट्री लेने के कुछ देर बाद वडोदरा के पास गोधरा में इस ट्रेन को घेरकर इसके स्-6 डिब्बे में आग लगा दी गई. यह डिब्बा कारसेवकों से भरा हुआ था जो अयोध्या से लौट रहे थे. आग लगने से 59 लोग मारे गए.इस आगजनी के एक दिन बाद गुजरात में सांप्रदायिक तनाव फैल गया. गोधरा कांड के अगले दिन यानी कि 28 फरवरी को गोधरा में कर्फ्यू लगा दिया गया. सभी स्कूल, दुकानें और बाजार बंद कर दिए गए. भीड़ में शामिल लोगों ने हर किसी पर पथराव करना शुरू कर दिया. धीरे धीरे माहौल और खराब होता गया और पथराव के बाद आगजनी, तोड़फोड़ शुरू हो गई. इस दौरान 11 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया. गोधरा में हुए सांप्रदायिक तनाव के बाद नरोदा पाटिया गांव में भी दंगे शुरू हो गए. इन दोनों इलाकों में इस सांप्रदायिक हिंसा के दौरान लगभग 97 लोगों की मौत हो गई थी. इस हिंसा के बाद पूरे राज्य में जगह-जगह पर दंगे हुए. भारत के तत्कालीन गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जयसवाल ने 11 मई 2005 को गुजरात दंगों में मारे गए लोगों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर राज्यसभा में लिखित बताया था कि गुजरात में हुए दंगे में 790 मुसलमान और 254 हिंदू यानी कुल 1,044 लोग मारे गए थे.

वहीं 223 लोग ऐसे थे जो उस वक्त तक लापता बताए गए थे जिन्हें बाद में मरा हुआ मान लिया गया था. इन 223 लापता लोगों को शामिल करने के बाद भारत सरकार की ओर से दिए गए आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक गुजरात दंगों में कुल 1267 लोग मारे गए थे. हालांकि स्थानीय लोगों और कुछ ग़ैर-सरकारी संगठन की माने तो दंगों में दो हज़ार से भी ज़्यादा लोगों की मौत हुई थी. वहीं अगर इंसाफ की बात की जाए तो इन 20 सालों में गुजरात दंगों से जुड़े कुल 9 केस दर्ज किए गए थे. इनमें 8 का ट्रायल पूरा हो चुका है. इनमें गोधरा कांड, बेस्ट बेकरी, सरदारपुरा मामला, नरोदा पाटिया, गुलबर्ग सोसाइटी, ओडे विलेज, दीपडा दरवाजा और बिलकिस बानो का केस शामिल हैं. नरोदा गाम मामले में 2009 में अदालती कार्यवाही शुरू हुई थी. जिसमें में 327 लोगों के बयान दर्ज किए गए थे. साल 2012 में स्ढ्ढञ्ज मामलों की विशेष अदालत ने माया कोडमानी और बाबू बजरंगी को हत्या और षडयंत्र रचने का दोषी पाया था.पूर्व बीजेपी विधायक माया कोडनानी पर आरोप है कि उन्होंने गोधरा कांड से गुस्साए हजारों लोगों की भीड़ को भड़काया था, जिसके बाद नरोदा गाम में मुसलमानों की हत्या हुई. इस हिंसा में 11 लोगों की जानें गई थीं और 82 लोगों को आरोपी बनाया गया था.जबकि माया कोडनानी का कहना है कि दंगे की सुबह गुजरात विधानसभा में थी. माया का कहना है कि इस जिस दिन दंगा हुआ उसी दिन दोपहर में वे गोधरा ट्रेन हत्याकांड में मारे गए कार सेवकों के शवों को देखने के लिए सिविल अस्पताल पहुंची थीं. जबकि चश्मदीद गवाहों ने कोर्ट में कहा है कि माया कोडनानी दंगों के समय नरोदा में मौजूद थीं और उन्हीं ने भीड़ को उकसाया था.

पुंछ-जम्मू हाईवे पर सेना की गाड़ी में लगी आग, पांच जवान शहीद

पुंछ-जम्मू हाईवे पर गुरुवार (20 अप्रैल) को सेना की गाड़ी में आग लग गई. पीआरओ डिफेंस जम्मू ने कहा कि पुंछ (क्क्षश्वठ्ठष्द्ध) जिले में सेना के एक ट्रक में आग लगने से सेना के पांच जवान शहीद हो गए. घटना भाटा धुरियान इलाके में हाईवे पर हुई. सेना के सूत्रों ने एबीपी न्यूज़ को बताया है कि यह हादसा आसमानी बिजली गिरने के कारण हुआ है.सेना ने फिलहाल इसमें आतंकी एंगल होने से साफ इंकार किया है. फिलहाल घटना की जांच के लिए टीम को रवाना कर दिया है और सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी थोड़े समय में मौके पर पहुंचेंगे. घटनास्थल वाले पहाड़ी इलाके में भारी बारिश हो रही है. ये घटना तब हुई जब सेना का वाहन भीमबेर गली से पुंछ के संगीओत जा रहा था.केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पुंछ जिले में हुए हादसे को लेकर दुख जताया है. उन्होंने ट्वीट कर कहा कि वह इस त्रासदी से दुखी हैं. जहां एक ट्रक में आग लगने के बाद भारतीय सेना ने अपने बहादुर जवानों को खो दिया है. इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं. इससे पहले बीते दिन यानी बुधवार को सिक्किम में भी एक हादसा हुआ था. भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने एक सड़क दुर्घटना में घायल हुए

दिल्ली के मुखर्जी नगर पहुंचे राहुल गांधी, यूपी एस सी की तैयारी कर हे छात्रों से की बात

कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों दिल्ली के इलाकों का लगातार दौरा कर रहे हैं. हाल ही में उन्हें पुरानी दिल्ली और बंगाली मार्केट में देखा गया. इसी क्रम में वो गुरुवार (20 अप्रैल) को दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में पहुंचे और यहां पर छात्रों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेने वाले छात्रों के साथ चर्चा भी की.मुखर्जी नगर उत्तरी दिल्ली का एक इलाका है. इसका नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखा गया था. इस इलाके में सरकारी नौकरी के लिए परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र रहते हैं. इसे कोचिंग हब के नाम से भी जाना जाता है. इन्ही छात्रों से चर्चा करने के लिए

राहुल गांधी पहुंचे थे. राहुल गांधी के साथ उनके भांजे रेहान वाड्रा भी नजर आए.इससे पहले मंगलवार (18 अप्रैल) की रात को भी राहुल गांधी दिल्ली की सड़कों पर अचानक से निकल पड़े थे. इस दौरान उन्होंने बंगाली मार्केट में पानी पूरी का स्वाद लेने के साथ-साथ लोगों से मुलाकात भी की और उनका हालचाल जाना. वहीं रमजान के पाक महीने में पुरानी दिल्ली में वो शाम के वक्त पहुंचे और वहां पर तरबूज के शरबत का आनंद भी लिया. इससे पहले भी राहुल गांधी को दिल्ली के अलग-अलग रेस्त्रां में देखा जा चुका है. देश में अगले साल लोकसभा चुनाव होने वाले हैं ऐसे में सभी राजनीतिक पार्टियां और उनके नेता जनता के दिलों में अपनी जगह बनाने की कोशिश में लगे हैं.

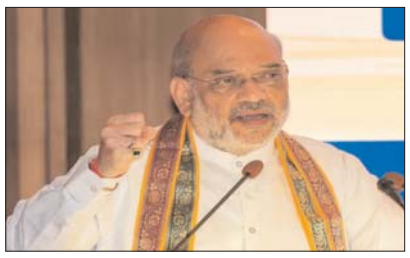

अरुणाचल और असम के बीच हुआ सीमा समझौता, सीएम हेमंत बिस्वा सरमा बोले- बड़ी उपलब्धि

असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा विवाद सुलझाने को लेकर गुरुवार (20 अप्रैल) को समझौता हुआ. इसको लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिसवा सरमा और अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने गृह मंत्री अमित शाह की मौजदूगी में शांति समझौते पर साइन किए. इसमें दोनों राज्यों के सीएम ने जमीन के बराबर बंटवारे पर सहमति जताई है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समझौते के बाद कहा कि 1972 से आज तक इस सीमा विवाद को सुलझाया नहीं जा सका. लोकल कमिशन की रिपोर्ट 1972 से अबतक अलग-अलग सरकारों में अदालतों में विवाद से ग्रस्त रही, उस रिपोर्ट को दोनों राज्य की सरकारों ने स्वीकार कर लगभग 800 किलोमीटर की असम अरुणाचल सीमा विवाद आज समाप्त कर लिया है- वहीं बिस्वा सरमा ने समझौते को बड़ा और सफलता पाने वाले बताया. खांडू ने भी इसे बड़ी उपलब्धि वाला और ऐताहासिक कहा है. असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच 804 किलोमीटर की सीमा में बसे 123 गांवों का लेकर विवाद था. इसमें से 36 गांवों का समझौता पहले ही हो चुका है. अब 87 गांवों की सीमा के विवाद पर गुरुवार का समझौता हुआ. अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच बॉर्डर को लेकर लड़ाई 50 साल से चल रही है.

अमेरिकी कोर्ट से तहव्वुर राणा को झटका, प्रत्यर्पण होने पर 30 दिनों आएगा फैसला

अमेरिका की एक कोर्ट ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले मामले में वांछित पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यापारी तहव्वुर राणा की स्टेटस कॉन्फ्रेंस खारिज कर दी. कोर्ट ने कहा कि अगले 30 दिन में राणा को भारत को प्रत्यर्पित किये जाने पर फैसला आ जाने की उम्मीद है.लॉस एंजिलिस, कैलिफोर्निया के जिला कोर्ट की जस्टिस जैकलीन चूल जियान ने जून, 2021 में इस मुद्दे पर पिछली सुनवाई की थी और जुलाई 2021 में कागजों का आखिरी सेट कोर्ट में सौंपा गया था. इस कोर्ट ने राणा को भारत को प्रत्यर्पित किये जाने के अमेरिकी सरकार के अनुरोध पर फैसला अभी सुनाया नहीं है.

कांग्रेस के आरोपों के बीच बीजेपी चलाएगी लिंगायत मुख्यमंत्री कैंपेन, क्या हैं इसके मायने?

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के लिंगायत नेताओं ने सत्तारूढ़ पार्टी को 'लिंगायत विरोधी' करार देने के कांग्रेस के दावे का जवाब देने के लिए चुनावी राज्य कर्नाटक में 'लिंगायत मुख्यमंत्री' अभियान शुरू करने की वकालत की है. राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लिंगायत समुदाय राज्य की आबादी का लगभग 17 प्रतिशत है. इस समुदाय के ज्यादातर लोग राज्य के उत्तरी हिस्सों में हैं, बीजेपी इन्हें अपने मजबूत समर्थक वर्ग के तौर पर देखती है.वरिष्ठ लिंगायत नेता जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर बीजेपी छोड़ दी और कांग्रेस में शामिल हो गए. कांग्रेस तभी से बीजेपी पर लिंगायतों के साथ 'अन्याय' करने और उसके 'लिंगायत विरोधी' होने के आरोप लगा रही है. इसके मद्देनजर, सत्तारूढ़ पार्टी नुकसान से भरपाई की कोशिशों में जुट गई है.बीजेपी के लिंगायत नेताओं ने बुधवार (19 अप्रैल) शाम कर्नाटक के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के आवास पर एक बैठक की.

लोकसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल की आप को किस परीक्षा से गुजरना पड़ेगा?

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने के बाद अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (ड्डक्क) के सामने अब कई सारी चुनौतियां है. इस बीच पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती तो 2024 का लोकसभा चुनाव है लेकिन इस इलेक्शन से पहले ही आप को को कई सारी परीक्षाओं से होकर गुजरना है. इस वक्त आप का पूरा ध्यान कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव, जालंधर लोकसभा सीट पर उपचुनाव और उत्तर प्रदेश के निकाय इलेक्शन लड़ने पर है. पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को लगता है कि 2024 लोकसभा चुनाव से पहले अगर इन चुनाव में पार्टी ने अपनी मज़बूती दिखा दी तो इसका सीधा फ़ायदा लोकसभा चुनाव में ज़रूर मिलेगा. जिस तरह से पार्टी बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर है, उससे भी ये साफ हो जाता है कि आगामी आम चुनाव में पार्टी बीजेपी के खिलाफ चुनाव लड़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती. यही वजह है कि पार्टी आने वाले दिनों में होने वाले इलेक्शन पर ज़्यादा फ़ोकस कर रही है.सबसे पहले बात करें जालंधर लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव की तो ये सीट आप के लिये सबसे अहम मानी जा रही है. वो इसलिए क्योंकि इससे पहले पंजाब के संगरूर में हुए लोकसभा उपचुनाव में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा और अगर जालंधर सीट पर भी पार्टी जीत नहीं हासिल कर पाई तो इसका खामियाजा 2024 में पंजाब की 13 लोकसभा सीटों पर झेलना पड़ेगा. आप को इस वक़्त लोकसभा चुनाव में सबसे ज़्यादा उम्मीद पंजाब से ही है. वो इसलिए क्योंकि पंजाब में सरकार बनने के बाद से ही पार्टी यह मानकर चल रही है कि पंजाब से ही सबसे ज़्यादा लोकसभा सीटें पार्टी हासिल कर सकती है. यही वजह है कि जालंधर लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए खुद आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जोर-शोर से प्रचार कर रहे है.

कर्नाटक चुनाव में आया गैंगस्टर अतीक अहमद का जिक्र, कांग्रेस स्टार प्रचारक प्रतापगढ़ी पर भड़कीं बीजेपी सांसद शोभा

कांग्रेस ने अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची बुधवार (19 अप्रैल) को जारी की है. इस लिस्ट में कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का नाम भी है. उनको लेकर बीजेपी के कई नेताओं ने इस पर आपत्ति जताई है.बीजेपी सांसद शोभा करंदलाजे ने आरोप लगाया कि प्रतापगढ़ी उन लोगों में से हैं जो गैंगस्टर अतीक अहमद के करीबियों में से एक रहे हैं. उत्तर प्रदेश का माफिया अतीक हाल ही में मारा गया है. उसे 3 युवकों ने प्रशासनिक सुरक्षा में होने के बाद भी मौत के घाट उतार दिया था.

पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो, बातचीत को लेकर क्या बोला विदेश मंत्रालय?

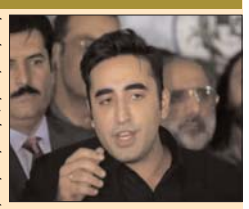

भारत में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (स्ष्टह्र) की बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के शामिल होने पर भारत ने गुरुवार (20) को बयान दिया. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि किसी सदस्य विशेष पर ध्यान केंद्रित करना उचित नहीं होगा. बागची ने आगे कहा कि पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय बातचीत पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाज़ी होगी.पाकिस्तान ने गुरुवार (20 अप्रैल) को बताया कि विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने हिंदुस्तान में में होने वाली एससीओ की बैठक में हिस्सा लेंगे. इसके बाद दोनों देशों के संबंधों में आई कड़वाहट के कम होने की उम्मीद है. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा बलूच ने इसकी घोषणा की. बलूच ने कहा कि बिलावल भुट्टो जरदारी भारत के गोवा में 4-5 मई को होने वाली एससीओ विदेश मंत्री परिषद (सीएफएम) की बैठक में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे. इसके साथ ही हफ्तों से चली आ रही इन अटकलों पर विराम लग गया कि भुट्टो व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में हिस्सा लेंगे या नहीं.बलूच ने कहा कि पाकिस्तान के जरदारी भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के निमंत्रण पर सम्मेलन में शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि मीटिंग में हमारी भागीदारी एससीओ चार्टर और प्रक्रियाओं के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता और पाकिस्तान की विदेश नीति की प्राथमिकताओं में क्षेत्र को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है. इससे पहले 2014 में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ हिंदुस्तान पीएम नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में आए थे.फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया था,

कश्मीर में अग्निपथ स्कीम में शामिल होने के इच्छुक युवाओं तक पहुंच बनाने के लिए सेना की मुहिम, उर्दू भाषा का कर रही इस्तेमाल

भारतीय सेना ने अग्निपथ योजना से वंचित युवाओं के लिए एक अनोखी पहल की है. सेना ने पिछले वर्ष शुरू हुई अग्निपथ योजना के लिए स्थानीय भाषा में एक अभियान शुरू किया है. दरअसल कश्मीर में सेना में शामिल होने के इच्छुक युवाओं तक पहुंचने के लिए सेना अब उर्दू भाषा का इस्तेमाल कर रही है.भारतीय सेना इस पहल के तहत अधिक से अधिक युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने की कोशिश कर रही है. श्रीनगर स्थित पीआरओ डिफेंस ने इस योजना बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचाने के लिए पोस्टर, वीडियो और ट्वीट के साथ इस अभियान की शुरुआत की है.भर्ती प्रक्रिया से जुड़े सेना के अधिकारियों का कहना है कि इस योजना की मुख्य विशेषताओं को उजागर करने के लिए और इस आउटरीच कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए स्थानीय माध्यम का उपयोग करने की आवश्यकता है. अधिकारी ने कहा, ÷सेना भर्ती

कार्यालय श्रीनगर ने भारतीय सेना में नई भर्ती प्रक्रिया, पंजीकरण की प्रक्रिया, ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा में कैसे शामिल हों, जैसे प्रमुख पहलुओं पर उर्दू में कई छोटे वीडियो भी तैयार किए हैं.÷जम्मू और कश्मीर में बड़ी संख्या में लोग उर्दू भाषा पढ़ते, लिखते और बोलते हैं. सेना ने एक बार कोड का उपयोग करके जनता के लिए वीडियो और अन्य प्रशिक्षण सामग्री भी प्रसारित की है, जिसने उम्मीदवारों के व्यक्तिगत मोबाइल डिवाइस पर कश्मीर के किसी भी दूरस्थ क्षेत्र में अग्निपथ योजना की जानकारी को सुलभ बनाया है.भारतीय सेना के अधिकारियों ने कहा, ÷यह ज्यादातर दूरदराज के इलाकों के लोगों के लिए फायदेमंद है और जो लोग उर्दू और तकनीक के इस्तेमाल से आगे आए हैं.÷ विज्ञापनों में भी उर्दू का इस्तेमाल हो रहा है. इसका उद्देश्य लोगों को योजना के बारे में किसी भी जानकारी से वंचित नहीं रखना है.

बदरवास पुलिस द्वारा पकड़े गए स्मैक तस्कर

82 ग्राम स्मैक और एक अपाचे मोटरसाईकिल सहित 2 स्मेचियो को किया गिरफ्तार ,2 वर्ष से कर रहे थे स्मैक का कारोबार

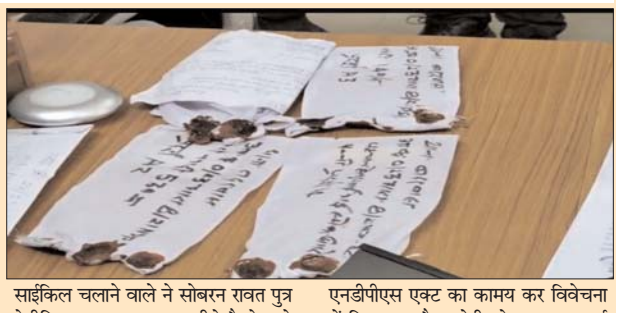

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी जिले मैं बड़ते स्मैक के अवैध कारोबार को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा अवैध मादक पदार्थ रखने व विक्रय करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया तथा जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त आदेश के पालन मे अति पुलिस अधीक्षक महोदय जिला शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एस. डी. ओ.पी महोदय कोलारस विजय यादव के मार्गदर्शन में कल दिनांक 19.04.2023 की शाम की थाना बदरवास पुलिस को मुखविर सूचना प्राप्त हुई की सोबरनसिंह पुत्र देवीसिंह रावत एवं धर्मेन्द्र कुशवाह पुत्र पीतमसिंह कुशवाह निवासी गण अमरोल थाना चिनौर जिला ग्वालियर के अवैध रूप से मादक पदार्थ स्मैक लेकर अपनी बिना नम्बर की अपाचे मोटर साईकिल से गुना तरफ से अपने गाँव चितौर तरफ निकलने वाले है उक्त सूचना की तस्दीक हेतु ईश्वरी रेल्वे पुल के पास फोरलाइन आगरा मुम्बई रोड़ पर उक्त व्यक्तियों के आने का इन्तजार किया कि गुना तरफ से दो व्यक्ति बिना नम्बर अपाचे मोटर साईकिल लाल काले रंग से आते दिखे जिन्हें घेरकर रोका नाम पता पूछा तो मोटर साईकिल चलाने वाले ने सोबरन रावत पुत्र देवीसिह रावत उम्र 31 साल पीछे बैटने वाले व्यक्ति ने अपना नाम धर्मेन्द्र कुशवाह पुत्र पीतमसिंह कुशवाह उम्र 27 साल निवासीग? अमरोल थाना चिनौर जिला ग्वालियर का होना बताया उसकी जमा तलाशी ली तो सोबरन के कब्जे से 82 ग्राम स्मैक बरामद हुई पुछताछ की तो दोनो व्यक्तियों ने बताया कि गुना तरफ से स्मैक खरीद कर लाते हैं तथा करीब 02 वर्ष से स्मैक का धंधा कर रहे हैं तथा चिनौर ग्वालियर क्षेत्र में व शिवपुरी तथा करैरा क्षेत्र में सप्लाई करते हैं आरोपीगणों के विरुद्ध थाना बदरवास पर अपराध क्रमाक 124/23 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का कामय कर विवेचना में लिया गया है आरोपी सोबरन रावत पूर्व में भी जिला शिवपुरी के थाना फिजिकल एवं करैरा में एनडीपीस एक्ट गिरफ्तार हुआ है आरोपी गणों से अन्य सप्लारों के संबंध में पुछताछ की जा रही है आरोपी सोबरन का निम्न अपराधिका रिकार्ड है इनकी रही भूमिका निरीक्षक सुरेश शर्मा उनि रामानन्द पचौरी प्रआर 310 कदमसिंह प्रआर 532 सुरेन्द्र राय आर 1073 अनुप कुमार आर 846 महेश पटेलिया आर चालक 940 दीनू रघुवंशी आर 643 शैतानसिह आर 779 नेपालसिह

कब सिखेगी

ए औरत... तू खुद से प्यार करना कब सिखेगी मुझे सब चलेगा उस बात से इन्कार करना कब सोचेगी जब संसार रथ की धुरी तुम्हारी रीढ़ पर टिकी है तब खुद को नज़र अंदा करना कब भूलेगी तू बहुत जरूरी है परिवार के पौधों को छाँव देने के लिए, पति के वजूद को तराशने के लिए जीवों को जन्म देने वाली अपने जन्म पर इतराना कब सिखेगीपरिवार के एक-एक सदस्यों की छोटी सी छोटी बातों का ख़याल रखते खुद को खर्च करने वाली ज़्यादातर औरतें खुद के प्रति बेदरकार होती है। वह ये नहीं सोचती कि वो खुद तन मन से स्वस्थ होगी तभी परिवार का ख़याल रखा पाएगी।सामाजिक व्यवस्था में स्त्री की भूमिका सबसे अहम् होती है घर का ख़याल, सास-ससुर, पति, बच्चें सब हर जरूरत पर घर की स्त्री के उपर ही निर्भर होते है। साथ ही सबसे महत्वपूर्ण बात ये की स्त्री को एक दूसरे जीव को अपने अंदर पालना होता है और जन्म देना होता है। इस क्रिया में औरतों के अंदरूनी ताकत की सबसे ज़्यादा जरूरत होती है।पर आमतौर पर देखा जाता है ज़्यादातर स्त्री खुद के स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह होती है। घर में सबका खाना हो जाए उसके बाद जो बचता है उससे काम चला लेती है। कई बार ऐसा होता है कभी दाल नहीं बचती, तो कभी सब्ज़ी। ऐसे में मुझे तो चलेगा अचार के साथ खा लूँगी करके कुछ भी खा कर चला लेती है। दूध, फ़्रूटस और ड्रायफ़्रूटस पति और बच्चों को याद करके खिलाएगी पर कभी अपने लिए सोचकर दो बादाम खुद नहीं खाएगी, या एक गिलास दूध खुद नहीं पिएगी पर ऐसा क्यूँ करना है जबकि पूरा दिन सबकी देखभाल करते आपके पैरों को ही सबसे ज़्यादा दौड़ना होता है। दस मिनट का काम है अगर आपके लिए कुछ नहीं बचा तो फ़टाफ़ट सब्ज़ी बना लीजिये क्यूँ अचार से काम चलाना है।स्त्रियों को चालीस के आसपास पहुँचते ही मोनोपोज़ से जुड़ी कई समस्याओं की शुरुआत हो जाती है। और पचास तक पहुँचते ही वज़न बढ़ने से लेकर कभी कमर दुखती है तो कभी घुटने, कभी बाल जड़ते है तो कभी नींद ना आने की समस्या। ज़िंदगी के प्रति नीरसता और चिड़चिडेपन का शिकार हो जाती है। होट फ़्लेशिस, अवसाद और इमोशनल होते खुद को अकेला पाती है। स्त्रियों को इस उम्र में खुद को खुद ही समझकर खुद का ख़याल रखना होता है। अच्छे खान-पान के साथ थोड़ा योग, एक्सरसाइ, मेडिटेशन और वॉकिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। दूध, फ्रूटस, मल्टी विटामिन्स और कैल्शियम की इस उम्र में स्त्रियों को खास जरूरत होती है। खुद का स्वास्थ्य ठीक होगा तभी आप पूरे परिवार का अच्छे से ध्यान रख पाएगी।कुछ-कुछ समय पर हम वाहनों की भी सर्विस करवाते है। मोबाइल भी अपडेट करते है तो ये शरीर भी एक मशीन ही है इसके प्रति बेदरकारी क्यूँ अंदरूनी खामियों को हैल्दी खान-पान से ठीक करके खुद का भी ध्यान रखें और अपनी बेटीयों को भी बचपन से बेहतरीन खान-पान की आदत ड़ालें। जैसा आप अपना ध्यान रखेगी वैसा ही बेटी भी सिखेगी। वो ज़माना गया जब बेटीयों को ये सीखाया जाता था कि जो है जितना है ऐसे में खुश रहना सीख लो।स्त्रियों को अधिकारों के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य के लिए भी जागृत होने की जरूरत है। एक उम्र के बाद अपने लिए वक्त निकालना चाहिए और खुद के लिए जीना चाहिए। कभी डिप्रेशन जैसा महसूस हो तब अपनी पसंदीदा एक्टिवीटीस के साथ पढ़ना, संगीत सुनना और सहेलियों के साथ पिकनिक मनाने या फ़िल्मि देखने निकल जाना चाहिए। खुद के तन-मन को ऐसे तैयार करो की आख़री साँस तक किसीके सहारे की जरूरत महसूस ना हो। याद रखो आप परिवार की नींव हो नींव मजबूत होगी तभी इमारत टीक पाएगी। आलस और बेपरवाही आपको उम्र से पहले बुढ़ा बना देंगी। वूमेन लिबरेशन और स्त्री स्वतंत्रता के लिए बहुत लड़ लिया अब खुद के स्वास्थ्य का ध्यान रखने का समय आ गया है।

भावना ठाकर भावु बेंगलोर

यातायात और नगरपालिका की संयुक्त कार्यवाही केवल दिखावा

धन्ना सेठो की चापलूसी और गरीबो के रोज के चालान

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी शहर मैं नगर पालिका और यातायात पुलिस द्वारा रोज कोई न कोई कमी निकाल कर गरीब लोगों के चालान काटे जा रहे है कभी किसी ठेले बाले के पास या किसी गरीब दुकानदार के पास डस्तविन न होने पर चालान काट दिया जाता हैं तो कभी किसी दुकानदार की अतिक्रमण के नाम पर हजारों का चालान वसूला जा रहा हैं जबकि आधे शहर मैं अतिक्रमण रासूकदारो ने कर रखा हैं और पूरा शहर मैं नगर पालिका के गिनती के डस्तविन देखने को मिलते हैं लोग अपना कचरा घरों से निकल कर रोडो पर फेक कर जाते है जिन सको पर चालान करने बाले अधिकारियों का रोज का निकलना होता हैं उन पर कार्यवाही इस संयुक्त टीम के द्वारा आज तक नही की गई हैं क्योंकि ये फोन लगवाने मैं माहिर है संयुक्त टीम की तो कार्यवाही सिर्फ और सिर्फ गरीब और भोली भाली जनता पर होती है जिनके पास में फोन लगवाने की दम नहीं है अवैध रूप से दबंगों द्वारा किया जा रहा अतिक्रमण उसे हटाने के लिये सयुक्त टीम कब पहुचेगी इनका रोडो के किनारे पर स्थाई रूप से सरिया डला रहता है जिनके घरों के आगे आदि रोड तक ईटे रखी रहती हैं क्या शासन प्रशासन नहीं दे रहा दिखाई जानकारी होने के बाद भी नहीं कर पाते ठोस कार्यवाही क्योकि इनको तो गरीबो के जलते चूल्हे दिखते हैं जिन को बुझाने का कार्य ये सयुक्त टीम कर रही हैं, एक कारण ये भी हैं कि धन्ना सेठो द्वारा अधिकारी गणों की अच्छे से सेवा पानी की जाती हैं जिस कारण इस सयुक्त टीम की बोलती बंद रहती हैं जिससे ये उन पर नहीं करते किसी भी प्रकार की कोई भी कार्यवाही और यही सब शिवपुरी की जनता को देखने को मिल रहा है जहां शहर में हो रहे अवैध रूप से अतिक्रमण को लेकर अभी तक शासन प्रशासन का ध्यान नहीं गया है और अगर जाता भी है तो केवल और केवल टीम गठित तक यह कार्यवाही नजर आती है बाकी धरातल पर कुछ दिखाई नहीं देता है हमेशा एक ही आश्वासन मिलता है कि कार्यवाही हो जाएगी लेकिन कार्यवाही नहीं हो पा रही है.जिस थीम रोड का हवाला देकर चलानी कार्यवाही की जा रही हैं उसी थीम रोड के धन्ना सेठ मलिक बने बैठे हैं उनका कुछ नही होता गरीबो पर चालान होता रहता हैं यही सयुक्त टीम का काम हैं

पुलिस थाना कोलारस द्वारा अवैध शराब बनाने की भट्टी पर पहुंचकर दो ड्रम लहान एवं शराब बनाने की सामाग्री को किया नष्ट

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अवैध शराब के खिलाफ शख्त कार्यवाही करने एवं सराब माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस अपनाने के लिये लगातार निर्देशित किया जा रहा है । जिसके तारतम्य मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया एवं एसडीओपी कोलारस श्री विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में आज दिनांक 20.04.2023 को थाना प्रभारी कोलारस के नेतृत्व में अवैध शराब विरोधी अभियान के अंतर्गत दौराने इलाका भ्रमण के मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुयी की ग्राम टामकी के पास सिंध नदी के किनारे जंगल में अवैध शराब की भट्टी चलाई जा रही है । उक्त सूचना पर से थाना प्रभारी कोलारस द्वारा पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया, पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर देखा तो 2 ड्रम लहान के भरे हुए मिले जिन्हें वहीं नष्ट किया गया और अवैध शराब बनाने की सामग्री मिली जिसे भी नष्ट किया गया ।

अनुष्का ने ताब तो बल्लेबाजी करते हुए बनाया दोहरा शतक

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मध्यप्रदेश राज्य महिला क्रिकेट अकेडमी शिवपुरी की खिलाी अनुष्का शर्मा ने रिकोर्ड बनाते हुए 208 रन बना दिए। यह रिकोर्ड पारी अनुष्का ने एमपीसीए द्वारा आयोजित जे एस आनंद सीनियर महिला इंटर डिविन टूर्नामेंट में उज्जैन के खिलाफ खेलते हुए बनायी। इन्दौर में आयोजित इस प्रतियोगिता में ग्वालियर डिविन से खेलते अनुष्का ने उज्जैन के खिलाफ यह दोहरा शतक लगाया है।मुख्य प्रशिक्षक अरुण सिंह द्वारा क्रिकेट के ऐसे गुर सिखाए है जिससे अकेडमी के सभी खिलाी उच्च स्तर का प्रदर्शन कर रहे है। अरुण सिंह ने बताया है की अभी और मौ आएँगे जहाँ यह महिला खिलाी अपने प्रदर्शन से सबको चौंकाएगी। ऐसा प्रदर्शन रहा और कोचिंग में अच्छा किया तो भारत टीम में भी इन खिलायिों का खेलना तय है।खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के प्रयासों से महिला अकेडमी का संचालन शिवपुरी खेल परिसर में किया जा रहा है यह अकेडमी सभी सुविधाओं से सुसज्जित है और खिलाी उसका लाभ ले रही है। खेल अधिकारी के.के.खरे बताते है कि अरुण सिंह क्रिकेट के एक्स्पर्ट है। इनको स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स का अच्छा ज्ञान है। जिसका लाभ इन महिला खिलायिों को मिल रहा है। इसी प्रकार प्रशिक्षक और खिलाी मेहनत करते रहे और विभाग द्वारा ऐसे ही सभी सुविधाएँ मिलती रही तो एक दिन अंतर्राष्टीय खिलाी शिवपुरी से रूर निकलेगा। शिवपुरी में अनुष्का द्वारा दोहरे शतक से खिलायिों में हर्ष और उल्लास है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिले के नगर एवं गांव में घूम रहा है प्रचार रथ

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जनसम्पर्क संचालनालय भोपाल द्वारा म.प्र.सरकार की तीन वर्ष की उपलब्धियों और लाड़ली बहना योजना एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए तीन साल बढ़े हैं- सबसे आगे खड़े हैं, देख रहा सारा देश- सबसे आगे मध्यप्रदेश प्रचार रथ तैयार करवाया गया है। प्रचार रथ द्वारा एलईडी के माध्यम से शासन की योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज प्रचार रथ द्वारा जनपद अटेर के ग्राम तरसोखर, ग्राम नावली हार, ग्राम कदौरा, ग्राम विण्डवा, ग्राम नरीपुरा का भ्रमण कर म.प्र.शासन की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। पालनपुर के कलेक्टर श्री वरुण बरनवाल ने मेरु श्री यंत्र की पूजा के बाद चारधाम यात्रा शुरू की÷ अंबाजी में स्थापित होगा विश्व का सबसे बड़ा ÷श्री यंत्र÷

कही भी पेयजल की समस्या न रहे, सुनिश्चित किया जाये-कलेक्टर अग्रवाल

जनपद दमोह में अधिकारियों की बैठक संपन्न,समीक्षा कर दिए गये अहम दिशा-निर्देश

पुष्पांजलि टुडे

दमोह। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने अधिकारियों से कहा है कि पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित रहे। जहां कहीं भी हैंडपंप खराब हैं तत्काल उनका सुधार करवाया जाए। जल निगम दमोह जनपद के क्षेत्र में चल रहे कार्यों को तेज गति से पूरा करें। यहां जनपद मुख्यालय में पेयजल कंट्रोल रूम स्थापित कर लिया जाए ताकि समस्या आने पर उसका त्वरित निराकरण किया जा सके। कलेक्टर अग्रवाल जनपद पंचायत कार्यालय दमोह के सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अजय श्रीवास्तव, एसडीएम गगन बिसेन विशेष रूप से मौजूद रहे। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सभी पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न समय पर मिलने और पात्रता पर्ची के संबंध में चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अन्न उत्सव की जानकारी लेकर समय पर खाद्यान उठाव सुनिश्चित कराने के लिए कहा। बैठक में तहसीलदार दमोह को भू-अधिकार और धारण अधिकार के तहत किए जा रहे कार्य की जानकारी लेकर निर्देशानुसार कार्यवाई के लिए कहा गया। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर अग्रवाल ने लाड़ली बहना योजना के तहत प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। सीईओ जनपद पंचायत ने बताया ई-केवाईसी 80 प्रतिशत हो गया है। स्वनिधि योजना के संबंध में कलेक्टर ने दमोह जनपद, नगर पालिका हिडोरिया और नगर पालिका दमोह से प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना है इसमें लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में नगरीय निकाय दमोह और हिडोरिया की समीक्षा की गई। दोनों स्थानों पर पेयजल व्यवस्था की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए नगर पालिका दमोह के सीएमओ को कहा गया कि दमोह नगर में प्रतिदिन वाटर सप्लाई की कार्य योजना पर कार्य समय सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने साफ सफाई और स्वच्छता अभियान के संबंध में चर्चा करते हुए समुचित दिशा निर्देश दिए।

विहिप बजरंग दल द्वारा राजनगर तालाब का शुद्धिकरण पश्चात किया गया पूजन

पुष्पांजलि टुडे

दमोह। विश्व हिंदू परिषद द्वारा राजनगर तालाब के जल का हिंदू रीति रिवाज से पूजन कर शुद्धिकरण किया गया। जहाँ पर राजनगर तालाब में 3 दिन पहले 5 से 6 गोवंश क्षत विक्षित कर के फेंक दिया था। राजनगर का पानी दमोह में पीने के लिए उपयोग में लाया जाता है।विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने पहले नगरपालिका की मदद से सफाई कराई और गौ माता के अवशेष को बाहर निकाल कर पानी को साफ किया । फिर सभी पधाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा हिंदू रीति रिवाज से गंगा माता का जल एवं नर्मदा माता का जल का विधि विधान से पूजन अर्पण किया गया और गंगा माता नर्मदा माता से प्रार्थना की कि राजनगर का जल स्वच्छ बनाए रखें एवं दमोह के पीने के पानी को स्वच्छ करें । कार्यक्रम में प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख श्री राम पटेल विभाग सामाजिक समरसता संयोजक सुनील ठाकुर धर्माचार्य संपर्क के प्रमुख ठाकुर जी महाराज जिला मंत्री अमित राय, प्रांत सह छात्रा प्रमुख प्रीति वर्मन, विभाग संयोजिका सानू हजारी, नेहा ठाकुर, जिला सह संयोजक विक्रम साहू, नगर अध्यक्ष राम मिश्रा, जितेंद्र चक्रवर्ती, जितेंद्र राठौर, अभिषेक सोनी, आशीष, शर्मा, सूरज अठया, राम रैकवार, प्रमोद सिंह, पुष्पराज ठाकुर, छोटे यादव, एवं सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जरूरतमंदों को ब्लड डोनेट करने को तैयार रहती है युवाओं की टोली, सैकड़ो लोगों को जरुरत के समय कर चुके है ब्लड दान

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजलि टुडे

दमोह। महज जीना ही जिंदगी नहीं होती, इंसानियत ही इंसान को हमेशा जिंदा रखती है,इंसान अगर कोई बात को ठान ले तो हर कार्य आसान सा दिखता है ऐसा ही कुछ करके दिखाया है दमोह के युवाओं नें जिनकी पूरी टीम हमेशा ही सहयोग के लिये तत्पर तैयार रहती है और रक्तदान करके दूसरे की जिंदगी बचाने के लिए हर समय तैयार रहते हैं युवाओं का एक ऐसा समूह है जो रक्तदान के लिये निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहा है जिला चिकित्सालय में रक्त कि अत्यंत कमी होने के कारण आठ युवाओं के द्वारा रक्तदान करके जरुरतमंदो को रक्त उपलब्ध कराया। रक्तदान करने वाले युवाओं में पं राम मिश्रा बी पॉजिटिव जिन्होंने 33वीं बार रक्तदान करके युवाओं को प्रेरित करते है राम मिश्रा के अलावा धर्मेंद्र चौधरी ए निगेटिव, अजय दीक्षित एबी पॉजिटिव, अमित राय ओ पॉजिटिव,मनोज रैकवार बी पॉजिटिव,दीपक चौरसिया ए पॉजिटिव, कमलेश सिंह ओ पॉजिटिव, प्रशांत गुप्ता बी पॉजिटिव ब्लड डोनेट करके इस पुण्य कार्य में सहयोगी बने। इस दौरान विनय विश्वकर्मा,राम रैकवार काभीविशेषसहयोग रह

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने कार्य में उदासीनता एवं लापरवाही बरतने पर छः जनशिक्षकों को दिया कारण बताओ नोटिस

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मनोज कुमार सरियाम ने जनशिक्षा केन्द्र अटेर के जनशिक्षक श्री आकाश बौहरे, शिवकुमार शर्मा, जनशिक्षा केन्द्र पीपरी के जनशिक्षक रामवीर नरवरिया, अजब सिंह वर्मा, जनशिक्षा केन्द्र उदोतगढ़ के जनशिक्षक प्रदीप सिंह जादौन, जनशिक्षा केन्द्र जमसारा के जनशिक्षक रामनारायण परसोले को शासकीय कार्य में उदासीनता एवं लापरवाही बरतने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर कहा है कि विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक अटेर द्वारा अवगत कराया गया है कि मध्यान्ह भोजन योजना शासन की महत्वपूर्ण योजना है, जिसमें आपको शाला स्तर पर पदस्थ मध्यान्ह भोजन प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा अधिक से अधिक एसएमएस कराने हेतु निर्देशित किया गया था, लेकिन आपके द्वारा आज दिनांक तक उक्त प्रणाली में रूचि नहीं ली जा रही है, जिससे राज्य स्तर पर जिले की स्थिति संतोषजनक नहीं दिखाई दे रही है, तथा काफी नाराजगी व्यक्त की गई। कई बार निर्देश देने के बाद भी आपके द्वारा अपने जनशिक्षा केन्द्र अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में शत-प्रतिशत एसएमएस कार्य नहीं कराया जा रहा है। इस संबंध में जिला स्तर पर मीटिंग भी आयोजित कर प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया, लेकिन आपके द्वारा रूचि न लेने से जिले की छवि धूमिल हुई है, जिसके लिये आप स्वयं उत्तरदायी हैं।आपका उक्त कृत्य एक शासकीय सेवक के अपेक्षित आचरण के विपरीत है, जो म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के उप नियम 3 (1) (2) (3) का स्पष्ट उल्लंघन होकर शासकीय कार्य में उदासीनता एवं लापरवाही के साथ-साथ अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।आप इस संबंध में सप्रमाण जवाब दिनांक 24 अप्रैल 2023 तक समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। जवाब समय-सीमा में प्रस्तुत न करने की दशा में आपके विरूद्ध उक्त कार्यवाही अमल में लाई जावेगी, जिसके लिये आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

गुजरात के सिद्धपुरमें विरासत दिवस मनाया गया

निल कुमार, पुष्पांजलि टुडे

पाटन/गुजरात। विरासत दिवस समारोह श्रीस्थल संग्रहालय, सिद्धपुर/श्रीस्थल संग्रहालय, सिद्धपुर, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, खेल और युवा सांस्कृतिक गतिविधियाँ विभाग, गुजरात राज्य द्वारा विरासत दिवस मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय दिवस को विश्व विरासत दिवस के रूप में भी जाना जाता है। हर साल 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य न केवल आपके जीवन में संस्कृति और विरासत के मूल्य पर जोर देना है, बल्कि लोगों को सांस्कृतिक इतिहास को समझाना भी है। विश्व विरासत दिवस समारोह का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में ऐतिहासिक इमारतों, स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों को संरक्षित करना है।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर श्रीस्थल संग्रहालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के आवासों के 6 से 12 वर्ष के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को संग्रहालय में प्राचीन संस्कृति, धार्मिक और सामाजिक जीवन शैली के साथ-साथ प्राचीन मुद्रा के बारे में बताया गया। क्यूरेटर श्री तेजलबेन परमार ने बच्चों को जानकारी दी। बच्चों ने भारत के स्थापत्य चित्रों में रंग का काम किया। इसमें ड्राइंग वर्क अच्छा करने वाले बच्चों को पुरस्कार भी दिए गए। सहायक क्यूरेटर श्रीस्थल संग्रहालय, सिद्धपुर।

सुशांत सिंह बाल कांग्रेस के अध्यक्ष मनोनीत

पुष्पांजली टुडे

वरिष्ठ नेताओ ने स्वागत कर बढ़ाया हौसला।

भिण्ड । पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश पर मध्यप्रदेश बाल कांग्रेस के सह प्रभारी सचिन दुवेदी,और जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश बाल कांग्रेस के कैप्टन लक्ष्य गुप्ता ने कांग्रेस पार्टी के युवा नेता सुशांत सिंह राजावत गोपाल बबेडी को भोपाल में नियुक्ति पत्र देकर भिण्ड बाल कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री गोपाल का आज भिण्ड आगमन होने पर युवाओं ने जगह जगह भव्य स्वागत किया। साथ ही कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओ ने भी स्वागत कर उनका हौसला बढ़ाया। स्वागत करने वालों में जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रामहर्ष सिंह कुशवाह, संजय भूता,महामंत्री द्वय राजेश शर्मा, शैलेन्द्र भदौरिया,प्रवक्ता डॉ अनिल भारद्वाज,युवा कांग्रेस के प्रदेश सदस्य दीपू दुबे, शिवम सैंथिया,इकरार खान सहित सैकड़ों युवा भी उपस्थित रहे।

सब मिलकर मनायें भगवान परशुराम का जन्मोत्सव : गिर्राज

22 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर शहर में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भगवान परशुराम को श्री हरि विष्णु जी का छटवा अवतार माना जाता है, इनका जन्म वैशाख माह की शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि को हुआ था। इसीलिए जिस दिन प्रदोष काल के दौरान तृतीया होती है उस दिन भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बिशेष रूप से मनाया जाता है। इस बार 22 अप्रैल 2023 को अक्षय तृतीया के सुअवसर पर जिलेभर में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जायेगा, भिण्ड शहर में भी पिछले बर्ष की भांति इस बर्ष भी भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी जिसमें जिलेभर के सर्वसमाज के लोगों के सम्मिलित होने की ब्राह्मण समाज द्वारा लगातार अपील की जा रही है। इसी क्रम में श्री परशुराम सर्व ब्राह्मण संघ के युवा प्रदेश अध्यक्ष गिरिराज पाण्डेय ने जिले की जनता से आह्वान करते हुए कहा है कि श्री हरि विष्णु ने अलग अलग स्वरूपों में अवतार लिए उन्हीं सभी स्वरूपों में एक भगवान परशुराम के रूप में छटवा अवतार लिया, इस रूप में उन्होंने आताताइयों का सर्वनाश कर मानव जाति का कल्याण किया। हमें भगवान के अंदर जाति नहीं देखनी चाहिए भगवान किसी जाति बिशेष के नहीं बल्कि सभी वर्ग के हैं इसलिए मै आह्वान करता हूँ कि हम सबको मिलकर भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर शहर में आयोजित होने वाली चल यात्रा में शामिल होकर हम सब मिलकर भगवान का धूमधाम से जन्मोत्सव मनायें।

भदौरिया जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष नियुक्ति

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के दिशा निर्देश पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने सीता नगर निवासी श्यामू सिंह भदौरिया को जिला कांग्रेस का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री भदौरिया ने अपनी नियुक्ति पर जिले के सभी वरिष्ठ नेताओ का अभार व्यक्त करते हुए कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने की बात कही है। श्री भदौरिया की जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बनने पर उनके इष्ट मित्रो ने शुभकामनाएं प्रेषित की

गांव गांव जाकर प्रजापति समाजबंधुओ को दे रहे निमंत्रण

पुष्पाजंली टुडे

पाली 7 समस्त प्रजापति कुम्हार समाज 14 खेड़ा चोताला की ओर से धीनावास स्थित श्री श्रीयादे माता मंदिर की वर्षगांठ 27 साल में पहली बार मनाई जाएगी7 कार्यक्रम 2 मई से 5मई तक चलेगा7 अशोक राठोलिया मामावास ने बताया कि प्रजापति समाजबंधुओ को आमंत्रित करने के लिए गांवों में निमंत्रण दिया जा रहा है7 इसके साथ गुजरात,अहमदाबाद, गांधीधाम,बैंगलोर,

मुम्बई, चेन्नई,पूना,हिम्मतनगर, आदि के समाजबंधुओ को भी आमंत्रित किया गया है7 कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सलाहकार और राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य होंगे 7 वर्षगांठ को लेकर अध्यक्ष हेमाराम कुंडलवाल अजीतपुरा, कोषाध्यक्ष (पोतेदार)घेवरराम राठोलिया मामावास, उपाध्यक्ष वेनाराम उटेलिया संडारडा, कोटवाल घीसाराम ब्रांधना गागुड़ा, खारिया सोडा सरपंच सोहनलाल कुंडलवाल बासनी जोधराज,ढगलाराम मुलेरा सुरायता, मांगीलाल कुंडलवाल धाकड़ी, रूपाराम ब्रांधना गागुड़ा, मानाराम कुंडलवाल बासनी भदावता, शंकरलाल उटेलिया संडारडा, नेमीचंद धनेरिया बासनी भदावता,जवरीलाल कुंडलवाल धीनावास,मदनलाल भोबरिया जाडन, बाबूलाल राठोलिया मामावास, शुक्राराम हाटवा हिंगावास, हरीराम कुंडलवाल अजीतपुरा, वेनाराम कवाड़िया मालपुरिया खुर्द, भंवर लाल कुंडलवाल मालपुरिया कला, डूंगाराम थांवलिया बागावास आदि पत्रिका वितरण में जुटे हुए हैं

टांडा बरूड़ थाना पुलिस की बड़ी कार्यवाही 05 माह से फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

पुलिस महानिरीक्षक इन्दौर जौन इन्दौर वह उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड़ रेन्ज खरगोन तिलक सिंह के निर्देश पर खरगोन पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनिष खत्री खरगोन एसडिओपी राकेश मोहन शुक्ला के निर्देशन में टांडा बरूड़ थाना प्रभारी लक्ष्मन सिंह लौवंशी के नेतृत्व में पुलिस टिम का गठन किया गया पुलिस टिम में उप निरीक्षक दिनेश चंगौड उप निरीक्षक राकेश सिसोदिया प्रधान आरक्षक लाल सिंह गांवड प्रधान आरक्षक राजेंद्र मंडलोई आरक्षक राजेश पाटिल आरक्षक राजु यादवआज से 05 माह पूर्व आरोपी रवि जायसवाल घटना स्थल ग्राम देवली में पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग करने पर वाहन छोड़कर चालक भाग निकला

टांडा बरूड़ थाना क्षेत्र के ग्राम देवली एरिया में पुलिस को सुचना मिली की एक कार में अवैध शराब परिवहन करते एक कार देवली तरफ आ रही है पुलिस उक्त रोड़ पर छुपकर उक्त वाहन आने का इंतजार किया कुछ देर बाद उक्त वाहन आते हुए दिखा जिसे रोकने पर तेज गति कार भगाकर निकाली पिछा करने पर गाड़ी छौड़ कर चालक भाग गया। पुलिस द्वारा..... उक्त वाहन को थाना परिसर में लाकर चैक किया गया उक्त कार में अवैध शराब की 23 पेंटी मिली अवैध शराब को पुलिस ने जप्त किया डायवर मौके का फ़ायदा उठाकर भाग निकला पुलिस ने उक्त वाहन को अपने कब्जे में लेकर थाने पर खड़ा किया और वाहन को चैक करते हुए 23 पेंटी शराब मिल पुलिस ने अपनी कार्यवाही करते हुए लगातार प्रयास करते रहे अतः टांडा बरूड़ पुलिस को सुचना मिली की फरार आरोपी कैली में बाजार के लिए आया पुलिस ने दबिश देकर 05 माह से चल रहे फरार आरोपी को पकड़कर अपने कब्जे में लेकर थाने पर लाकर पुलिस कार्रवाई करते हुए आज गुरुवार को खरगोन न्यायालय में आरोपी को पेश किया जाएगा

जंगल में धधक रही अवैध शराब भट्टियों पर आबकारी दल की छापामार कार्रवाई

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

नगरीय क्षेत्रों में खपाने को तैयार अवैध शराब की खेप जब्त, 08 प्रकरण दर्ज

अवैध मदिरा अभियान के तहत कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशन में कसरावद, महेश्वर, सनावद व बड़वाह के संयुक्त आबकारी दल द्वारा गुरुवार को बसंत कुमार भीटे,सहायक जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में कसरावद के ग्राम हीरापुर, अहिल्यापुरा, सरवर देवला के जंगल क्षेत्र में स्थित अवैध मदिरा निर्माण के चिन्हित अड्डो पर दबिश कार्यवाही कर वृत्त प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक देवराज नगीना द्वारा म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) क,च के तहत 08 प्रकरण दर्ज कर 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।उक्त कार्यवाही में अलग- अलग स्थानों से 250 लीटर हाथभट्टी मदिरा तथा 8400 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर मौके पर विधिवत नष्ट किया। जप्त मदिरा एवं महुआ लहान का बाजार मूल्य लगभग चार लाख पचास हजार रुपये है।

डॉ. नूपुर धमीजा सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता लीगल एक्सपर्ट को भारत के महारथी सम्मान 2023 से किया गया सम्मानित

पुष्पांजली टुडे

नई दिल्ली । जी - 20 व आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में भारत के महारथी सम्मान समारोह 2023 का नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब आफ इंडिया में भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 15 राज्यों के 150 से ज्यादा महारथियों की प्रतिभागिता रही। कार्यक्रम की गूंज भारत की राजधानी नई दिल्ली से पूरे भारत में गई है। इसी सम्मान समारोह में विशेष ख्याति प्राप्त महिला सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता, लीगल एक्सपर्ट, नारी शक्ति एक नई पहल संस्था की संस्थापक एड. डॉ. नूपुर धमीजा को भारत के महारथी सम्मान 2023 से नवाजा गया। इतनी कम उम्र में इन ऊँचाई को छूने वाली डॉ. नूपुर धमीजा सम्मान समारोह में उपस्थित दिग्गजों की केंद्र बिंदु रहीं। डॉ. धमीजा ने हर क्षेत्र में अपना एक नाम और मुकाम हाँसिल किया है। इनके द्वारा नारी शक्ति एक नई पहल संस्था के माध्यम से सामाजिक क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं ये अब तक ना जाने कितनी ही गरीब, असहाय, जरूरतमंद, पीड़ित, विछिप्त महिलाओं और बच्चियों को न्याय दिला चुकीं हैं। आज ये पूरे भारत में अपने काम पर महारथ हाँसिल कर चूँकी है । आज भारत के महारथी सम्मान समारोह में विशेष ख्याति प्राप्त डॉ. धमीजा का सम्मान सिर्फ एक सम्मान नहीं है, अपितु यह हमारे सम्मान समारोह कार्यक्रम के लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम में डॉ. नूपुर धमीजा ने अपने विचार व्यक्त किए साथ ही कार्यक्रम के हेड अंशुमन सिंह, लाइन्स क्लब और जी टी टी सी आई के फ़ाउण्डर गौरव गुप्ता का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पधारे राज्यवर्धन सिंह परमार राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराणा प्रताप सेना, स्वाती सैनी मॉडल, पेंरेटिंग कोच एस्ट्रोलॉजर, दीपक गर्ग फाउंडर कोरचैंप टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. गणेश दुबे तंत्राचार्य स्प्रिचुअल गुरु वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, किरण सेठी सब इंस्पेक्टर दिल्ली पुलिस, डॉ. के मदन गोपाल वरिष्ठ सलाहकार स्वास्थ्य नीति आयोग भारत सरकार, बलविंदर सिंह बिंद्रा डिप्टी हेड गवर्नमेंट अफेयर्स, विशाल सिंह फ़ूड मैन ऑफ इंडिया, विजयपाल बघेल ग्रीन मैन ऑफ इंडिया, पीयूष गोयल मिरर इमेज मैन ऑफ इंडिया कार्यक्रम में उपस्थित रहे, सम्मान समारोह कार्यक्रम में जो अतिथि शा

सही जीवन शैली हमे स्वस्थ्य रखती है-डा. करण कक्कड़

जीतो महिलाओं का सीक्रेट्स ऑफ़ रिवर्सिंग डिसिज़ विद् फूड कार्यक्रम

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू ःकुछ बीमारियां ऐसी होती है जिनके लक्षण शरीर में मौजूद रहते है और उन लक्षणों को महसूस करते हुए भी हम उनको नजरअंदाज करते है। इंसान की आदते अच्छी होनी चाहिये और जीवन शैली सही होनी चाहिये और यही हमे स्वस्थ्य रखने में मदद करती है। यह बात जीतो बैंगलुरु नार्थ की महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय योजना हेल्थ एंड न्यूट्रीशियन के अंतर्गत ?ूम पर आयोजित कार्यशाला ÷सीक्रेट्स ऑफ़ रिवर्सिंग डिसिज विद् ?ूड÷ में कलकत्ता के डा. करण कक्कड़ ने कही। उन्होंने कहा कि शरीर में रही ज्यादातर बीमारियों को समय रहते सही जीवनशैली और अच्छी आदतों के द्वारा उलटा किया जा सकता है। डा. कक्कड़ ने कहा कि न्यूट्रीशियन के द्वारा हिलिंग पॉवर सीखने से हम दवाईयों एवं बीमारियों से आसान तरीक़े से फ्री रह सकते है बशर्ते हमें दवाइयों का सही ज्ञान हो। अपना सही ख़ान-पान ही अपने रोग लड़ने में मददगार है। ये बात भी सही है कि रोग का उत्क्रमण रातों-रात नहीं हो जाता। संक्रमण को रोकने के लिए अपनी जीवनशैली और दिनचर्या में कई बदलाव करने होंगे।जैसे आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन कम करने से भी मधुमेह को उलटने में मदद मिल सकती है।मोटापा कोई बीमारी नहीं है, लेकिन यह स्वास्थ्य स्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला के जोखिम को बढ़ा सकता है, हृदय रोग, स्ट्रोक, शरीर में दर्द, पित्ताशय की बीमारी

आदि हो सकती है।भरपूर मात्रा में फल और सब्जियां खाना, ट्रांस-फैट और सैचुरेटेड फैट से परहेज करना, चीनी का सेवन सीमित करना, धीरे-धीरे खाना आदि मोटापे को उलटने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल लोगों में बहुत तनाव है , जो कई बीमारियों का कारण बनता है। यह उच्च रक्तचाप और हृदय रोग से लेकर चिंता तक बढ़ा देता है। नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार और अच्छी नींद से व्यक्ति तनाव का प्रबंधन कर सकता है।डॉ कक्कड़ ने कई मरीजों के अनुभवों को साझा किया। डायट चार्ट को लागू करने की सलाह दी। कार्यशाला का प्रारम्भ नवकार मंत्र से हुआ। जीतो बैंगलुरु नार्थ महिला विंग बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। डाइरेक्टर इन चार्ज अपैक्स सुनीता बोहरा, अपेक्स चेरपर्सन संगीता ललवानी ने आयोजन के लिये शुभकामनाएँ भेजी। केकेजी ज़ोन कन्वेनर यश्मा जैन ने आयोजन हेतु प्रोत्साहित किया। अपेक्स हेल्थ एंड न्यूट्रीशियन संयोजक निशा सामर ने विषय प्रस्तुति देते हुए जीवन जीने के चार तरीक़े विस्तार से बतायें। जीतो बैंगलुरु नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने गाँव एवं शहरी जीवन के लाभ बताये। डॉ करण कक्कड़ का परिचय संयोजिका मनीषा दोषी ने किया। धन्यवाद सहम्बत्री पिंकी मेहता ने दिया तथा आगामी कार्यक्रम की सूचना उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना ने दी। संचालन सह-संयोजिका बिन्दु नाहर ने किया।

राजनीति व अपराध के रिश्तों पर हो विमर्श

अतीक अहमद की अपराध-कथाओं से सारा देश परिचित है। लगभग आधी सदी लंबी कहानी है अतीक के परिचित-अपरिचित अपराधों की। हत्या, अपहरण जैसे गंभीर अपराधों से जुड़ा था अतीक। उसकी मौत पर आंसू बहाने का अथवा उसके प्रति किसी भी प्रकार की संवेदना जताने का कोई कारण नहीं बनता। कहते हैं, अच्छे और बुरे कर्मों का फल इसी जीवन में मिलता है। अतीक को अपनी करनी का फल मिल गया। लेकिन कुछ सवाल उठते ही हैं इस कांड को लेकर। अतीक पुलिस के हाथों नहीं मरा, जिन हाथों ने उस पर गोलियां चलायीं या चलवायीं, उनके बारे में भी अभी तक बहुत कुछ पता नहीं चल पाया है। लेकिन जिस तरह से उस पर गोलियां चली हैं, उसे लेकर कुछ सवाल अवश्य उठते हैं। अतीक पुलिस की कस्टडी में था, अतीक ने न्यायालय में उपस्थित किये जाने को लेकर चिंता जतायी थी, उसने साफ-साफ कहा था कि उसे इस दौरान मारा जा सकता है। पहला सवाल तो यही उठता है कि वह इस तरह मारा कैसे गया? उसकी चिंता के बावजूद उसे पर्याप्त सुरक्षा क्यों नहीं दी गयी? ये और ऐसे सवाल इसलिए पूछने जरूरी हैं कि इनका रिश्ता कानून के शासन से है। अतीक के प्रति किसी तरह की सहानुभूति का सवाल नहीं उठता, पर यह सवाल पूछने का हक तो हर नागरिक का है कि उसे सज़ा देने का अधिकार किसे था। जिस संविधानिक व्यवस्था को हमने अपने लिए स्वीकार किया है, उसमें कोई व्यक्ति तब तक अपराधी नहीं माना जाता जब तक अदालत उसे दोषी करार नहीं देती। फिर अदालत के आदेश के अनुसार ही उसे सज़ा मिलती है। इसी को कानून का शासन कहते हैं। यह सही है कि अतीक अहमद पर सौ

से अधिक आपराधिक मामले चल रहे थे। उसके जघन्य अपराधों को देखते हुए उसे सज़ा मिलनी भी तय थी। पर यहां सवाल सज़ा दिये जाने पर नहीं, सज़ा देने के तरीके पर उठ रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का 'मिट्टी में मिला' देने वाला जुमला काफी चर्चा में है। अपराधियों के प्रति शासन की दृढ़ता अच्छी लगने वाली बात है, लेकिन आवश्यकता अपराधी को नहीं अपराध को मिट्टी में मिलाने की है। अपराधियों के मन में डर पैदा करना एक रणनीति हो सकती है, इस आधार पर प्रयागराज में हुए इस हत्याकांड का औचित्य ठहराने की कोशिश भी हो सकती है। लेकिन कानून के शासन में, जहां न्यायालय की महत्ता सर्वोपरि है, एनकाउंटर जैसे तरीकों की स्वीकार्यता पर सवालिया निशान तो लगता ही है। फिर, एनकाउंटर होने और करने में अंतर होता है। इस मामले में एनकाउंटर नहीं किया गया, यह पुलिस के लिए एक प्रकार के कवच का काम कर सकता है। पर इसे भी नहीं भुलाया जा सकता कि उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री के कार्यकाल में लगभग दो सौ एनकाउंटर हो चुके हैं। इनमें से कितने किये गये और कितने हुए, यह कोई नहीं कह सकता। लेकिन यह तय है कि अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या का यह मामला अर्से तक गूंजा करेगा। यहीं एक बात और भी उठती है कि अतीक अहमद सिर्फ एक दुर्दांत अपराधी ही नहीं था, वह 'माननीय विधायक' और 'माननीय सांसद' भी रह चुका है। पांच बार विधायक चुना गया था अतीक और एक बार सांसद भी। इस बीच अलग-अलग राजनीतिक दलों से अतीक के रिश्ते रहे, विभिन्न दलों ने उसे अपने साथ जोड़कर अपनी राजनीतिक स्थिति मज़बूत बनाने की कोशिश की थी। इसलिए, यह अवसर राजनीति और अपराध के रिश्तों पर विचार करने का भी है। चुनावों के समय उम्मीदवारों द्वारा दिये गये शपथपत्रों के अनुसार देश की कोई भी विधानसभा ऐसी नहीं है जिसमें अपराधों के आरोपियों की अच्छी-खासी संख्या न हो। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के अनुसार उत्तर प्रदेश की वर्तमान विधानसभा में आधे से अधिक विधायक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं। उत्तर प्रदेश का नाम इस संदर्भ में सबसे ऊपर नहीं है, अन्य राज्यों की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। आश्चर्य तो इस बात पर होता है कि किसी भी राजनेता को इस बात पर शर्म नहीं आती कि उस पर कितने मुकदमे चल रहे हैं। यह सही है कि जब तक न्यायालय द्वारा प्रमाणित न हो जाये, किसी को भी अपराधी नहीं कहा जा सकता, पर बिना आग के तो कहीं धुआं उठता नहीं। आश्चर्य तो यह भी है कि आपराधिक पृष्ठभूमि के सांसदों-विधायकों में चार केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के पैंतीस मंत्रियों ने भी अपने शपथपत्रों में अपने पर लगे गंभीर आरोपों का उल्लेख किया है। ऐसे लोगों के आपराधिक मामले वर्षों तक अदालतों में चलते रहते हैं, चल रहे हैं, और कोई परिणाम सामने नहीं आता। बहरहाल, अपराध और राजनीति के रिश्तों को लेकर पिछले 75 सालों में बहुत कुछ कहा गया है। इस बात पर अक्सर आश्चर्य व्यक्त किया जाता रहा है कि आखिर राजनीतिक दलों की ऐसी क्या मज़बूरी होती है कि उन्हें आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को चुनाव लड़ने का टिकट देना पड़ता है। टिकटों के बंटवारे का सबसे बड़ा आधार उम्मीदवार के जीतने की संभावना होता है। सवाल उठता है कि बाहुबली या धनपति ही दलों को जीतने वाले क्यों लगते हैं? और सवाल यह उठता है कि मतदाता जानते-बूझते ऐसे व्यक्तियों को वोट क्यों देते हैं? अतीक अहमद को जिन दलों ने अपना उम्मीदवार बनाया था उनमें समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी व अन्य दल शामिल हैं। अतीक जैसे व्यक्ति को चुनाव लड़ाना जहां एक ओर हमारे राजनीतिक दलों के बौद्धिक दिवालियेपन का उदाहरण है वहीं मतदाता को भी स्वीकार करना होगा कि ऐसे व्यक्तियों को अपना प्रतिनिधि या नेता चुनकर वह जनतंत्र के प्रति अपने कर्तव्य को न निभाने का अपराध करता है। सत्ता की राजनीति में निमग्न राजनेताओं से हम किसी प्रकार के विवेक की आशा नहीं कर सकते, पर जागरूक मतदाता से यह अपेक्षा ज़रूर की जाती है कि वह अपराध और राजनीति के नापाक रिश्तों के षड्यंत्र को समझेगा।

संपादकीय

जटिल यक्ष प्रश्न

आखिरकार बठिंडा सैन्य स्टेशन में चार सैनिकों की निर्मम हत्या के पांच दिन बाद पंजाब पुलिस ने हत्या के कारणों का पता लगाने तथा अभियुक्त को गिरफ्तार करने का दावा किया है। सैन्य स्टेशन के भीतर चार सैनिकों की हत्या ने हर किसी को स्तब्ध किया था कि आखिर कैसे हत्यारे कड़ी सुरक्षा को बेधने में कामयाब हुए। इस बात की आशंका पहले से जतायी जा रही थी कि हत्या के सुराग स्टेशन के भीतर ही मिलेंगे। हुआ भी ऐसा ही, और पुलिस का दावा है कि हत्याओं का मकसद व्यक्तिगत रंजिश थी और यह अभियुक्त के शारीरिक उत्पीड़न की प्रतिक्रिया थी। निस्संदेह, यह घटना बेहद चिंता का विषय है। साथ ही सुरक्षा की कमजोर कड़ियों को संबोधित करने की जरूरत बताती है। वहीं अभियुक्त द्वारा लगाये शारीरिक शोषण के आरोपों को गंभीरता से लेने की जरूरत भी बताती है। निस्संदेह, एक सैनिक की लंबी ड्यूटी और लगातार घर से दूर रहने की वजह कई तरह की जटिल स्थितियां पैदा करती है। एक युवा सैनिक अपनी भरपूर ऊर्जा के काल में देश सेवा में जीवन का बहुमूल्य समय देता है। लेकिन उसे आमतौर पर जटिल व दुर्गम इलाकों में ड्यूटी के दौरान अपने परिवार से दूर रहना पड़ता है। हालांकि, कई सुगम इलाकों में सैनिकों व जेसीओज़ को परिवार साथ रखने की इजाजत होती है। लेकिन इसके बावजूद सेना व सुरक्षा बलों के जवानों को लंबे समय तक परिवार से दूर रहना पड़ता है। साल में एक बार मिलने वाली लंबी छुट्टी के अलावा उन्हें बीच में छुट्टी लेने के अवसर कम ही मिलते हैं। दरअसल, वक्त बदलने के साथ सेना में पढ़े-लिखे युवाओं की भर्ती भी बढ़ी है। उनकी उम्मीदें और आकांक्षाएं भी देश के शेष युवाओं से कमतर नहीं हैं। एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो महज रोजगार की दृष्टि से सेना को अपना कैरियर चुनता है। वक्त के साथ ही जीवन व नैतिक मूल्यों के प्रति उसके दृष्टिकोण में बदलाव भी आया है।

दुर्दांत का खौफनाक अंत

उत्तर प्रदेश और कई राज्यों में अपराध की दुनिया से राजनीति में आकर चार दशक तक स्वछंद राज करने वाले माफिया डॉन अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ का जिस तरह से अंत हुआ, उसने कोई अच्छा संदेश नहीं दिया। निस्संदेह, एक माफिया डॉन के साथ सहानुभूति नहीं होनी चाहिए, लेकिन जिस तरह पुलिस सुरक्षा के घेरे में उनकी हत्या हुई और पुलिस मूकदर्शक बनी रही, उससे उ.प्र. की पुलिस की साख पर आंच आई। कठघरे में तो राज्य का राजनीतिक नेतृत्व भी आया है। पुलिस कर्मियों के निलंबन और जांच आयोग के गठन को राज्य सरकार की छवि सुधारने की कवायद के रूप में देखा गया। बहरहाल माफिया अतीक अहमद व अशरफ की हत्या को उस कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है, जिसकी शुरुआत प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के सरकारी गवाह उमेश पाल की सरेआम हत्या से हुई। जिसे प्रदेश सरकार व पुलिस ने अपने लिये चैलेंज माना। जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपराधियों को मिट्टी में मिलाने की टिप्पणी भी सामने आई थी। जिससे साफ हो गया था कि राज्य की सरकार व पुलिस बड़ी कार्रवाई करेगी। पहली प्रतिक्रिया, उमेश पाल हत्याकांड में शामिल बताये जा रहे अतीक के बेटे असद व उसके साथी की मुठभेड़ में मौत के रूप में सामने आई। जिसके जरिये सरकार व पुलिस ने संदेश देने का प्रयास किया कि अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो, बख्शा नहीं जायेगा। यूं भी योगी सरकार के दौरान कई हजार मुठभेड़ों व डेढ़ सौ से अधिक अपराधियों के एनकाउंटर में मारे जाने पर भी विपक्षी नेता सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन सवाल यही है कि क्या पुलिस इन अपराधियों को गिरफ्तार करके न्यायिक प्रक्रिया के जरिये दंड नहीं दिलवा सकती थी? वैसे कहा जाता रहा है कि न्याय की प्रक्रिया इतनी लंबी चलती है कि अपराधी धनबल, बाहुबल और सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक संरक्षण पाकर बरी होने की कवायद में लगातार लगे रहते हैं। वैसे राजनीतिक नेतृत्व परिवर्तन के बाद इस तरह के बड़े माफियाओं के फिर ताकतवर होने के बाद पुलिस के लिये भी निष्पक्ष रूप से जांच करना मुश्किल हो जाता है। वैसे प्रदेश में कई राजनीतिक दलों की सरकारों में ऐसे दागी टिकट पाकर जनप्रतिनिधि बनते रहे हैं और अपने विरोधियों को ठिकाने लगाना शुरू कर देते हैं। लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में अतीक व अशरफ की हत्या पुलिस की कार्यशैली पर सवाल ही खड़े करती है। आखिर ऐसे कुख्यात डॉन के आसपास मीडिया की भीड़ को क्यों जाने दिया गया, जिसको दूसरे गैंगों के अपराधियों से हमले का खतरा बराबर बना हुआ था। इसी कमजोर कड़ी को भांपकर ही अपराधियों ने फर्जी मीडियाकर्मी बनकर हत्याकांड को अंजाम दिया। बहुत संभव है आने वाले दिनों में सत्ताधीश इस घटना के बहाने माडिया की आजादी को कुतरने का प्रयास करें। वहीं दूसरी ओर इस हत्याकांड के बाद राजनीतिक रोटियां सेंकने का उपक्रम भी तेज हो गया है। कुछ राजनीतिक दल संप्रदाय विशेष के अपराधियों को ही निशाने पर लेने की बात कर रहे हैं।

वहीं सत्तापक्ष के भी कुछ नेताओं के अमर्यादित बयान सामने

गफलत की स्थिति में अतिरिक्त सावधानी जरूरी

नगालैंड के ओटिंग गांव में दिसंबर, 2021 में सेना की ओर से कथित पहचान में चूक के चलते गोलीबारी की घटना में नागरिकों की मौत के मामले में आरोपी 30 सैनिकों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने से रक्षा मंत्रालय ने इनकार कर दिया है। नगालैंड पुलिस ने 13 अप्रैल को कहा कि रक्षा मंत्रालय के तहत सैन्य मामलों के विभाग ने आरोपी सैनिकों के खिलाफ मुकदमा चलाने के राज्य सरकार के अनुरोध को खारिज कर दिया है। बता दें कि मामला 5 दिसंबर, 2021 को सेना की 21 पैरा स्पेशल फोर्स की ओर से कोयला खनिकों को तिरू से मोन जिले के ओटिंग गांव ले जा रही एक पिकअप वैन पर हुई गोलीबारी की घटना से जुड़ा है, जिसमें सवार आठ ग्रामीणों में से छह की मौत हो गई थी। नागरिकों की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने भी सेना के जवानों पर हमला किया, जिन्होंने जवाबी कार्रवाई में उन पर गोलियां चलाईं, जिसमें सात और मारे गए। वहीं इस घटना में एक जवान की भी मौत हो गई थी और 14 अन्य घायल हो गए थे। सेना ने दावा किया था कि यह गलत पहचान का मामला था और टीम ने सोचा था कि ग्रामीण एनएसीएन उग्रवादी थे। हालांकि सेना की अपनी कोर्ट ऑफ इंक्वायरी में पाया गया कि एक मेजर रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में घात लगाकर हमला करने वाली टीम ने मानक संचालन प्रक्रिया का पालन नहीं किया। साथ ही उग्रवादियों की निश्चित रूप से पहचान किये बिना ही ग्रामीणों पर गोलियां चलाने की वजह से उक्त घटना हुई। मई, 2020 में सेना ने हत्याओं की अपनी कोर्ट ऑफ़ इंक्वायरी पूरी की और कहा कि यह 'गलत पहचान और निर्णय की त्रुटि का मामला' था। इस घटना को लेकर जन प्रतिरोध के बाद नगालैंड सरकार ने

नागरिकों मौतों की एसआईटी जांच का आदेश दिया था। नगालैंड पुलिस की एसआईटी जांच में पाया गया कि सेना की 21 पैरा स्पेशल फोर्स ने गंभीर चूक से घटना को अंजाम दिया। नगालैंड पुलिस ने 21 पैरा स्पेशल फोर्स के 30 सदस्यों को भी चार्जशीट किया था, जिसमें एक अधिकारी सहित उन सभी पर हत्या, हत्या के प्रयास से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला शामिल था। घटना के एक साल से भी कम समय के बाद केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने 30 सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी से इनकार कर दिया है। इसके बाद नगालैंड पुलिस ने एक बयान में कहा - केंद्र से अभियोजन स्वीकृति के बिना सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) के तहत क्षेत्रों में सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकती है। सेना की अलग कोर्ट ऑफ इंक्वायरी पूरी हो गई है, लेकिन आगे की कार्रवाई पर अभी फैसला लेना बाकी है। घटना के बाद के हफ्तों में नगालैंड में कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए थे, खासकर राज्य के पूर्वी जिलों में, जहां ओटिंग पड़ता है। प्रभावशाली पूर्वी नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन जो पूर्वी नगा जनजातियों का प्रतिनिधित्व करता है के साथ ही कोन्याक जनजाति के प्रतिनिधि निकाय कोन्याक संघ ने कहा था कि वे तब तक पीछे नहीं हटेंगे जब तक कि न्याय नहीं दिया जाता और अफस्पा को हटा नहीं दिया जाता। हालांकि कई स्थानीय लोगों का कहना है कि उबलता गुस्सा काफी हद तक दूर हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ग्रामीणों की ओर से सरकार के साथ मध्यस्थता करने वाले नागरिक समाज संगठन मामले को पहले की तरह सक्रिय रूप से आगे नहीं बढ़ा रहे हैं। सैनिकों को अभयदान दिये जाने पर ओटिंग के गांव के लोग निराश महसूस करते हैं। इस घटनाक्रम से निराशा लोगों का मानना है कि 'यह दुखद है क्योंकि हमारे नेता अब इस पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। प्रभावित लोगों में ज्यादातर गरीब और अशिक्षित हैं'। नगालैंड कांग्रेस ने मामले को आगे नहीं बढ़ाने के लिए सरकार पर निशाना साधा। नगालैंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के थेरी ने कहा, 'कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। भाजपा शांति की बात कर सकती है लेकिन उसने कुछ भी हासिल नहीं किया है'। इसके जवाब में, नगालैंड के बीजेपी विधायक इमकोंग इमचेन ने कहा कि राज्य सरकार असहाय थी क्योंकि अफस्पा के तहत आने वाले क्षेत्र 'केंद्र सरकार के आदेश' के अंतर्गत आते हैं। वहीं एनडीपीपी मंत्री केजी केन्ये, जिनके पास संसदीय मामलों का विभाग है, ने कहा कि कोई 'केंद्र या राज्य प्राधिकरण को दोष नहीं दे सकता', क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को उठाया था। जुलाई, 2022 में, शीर्ष अदालत ने प्राथमिकी और एसआईटी की रिपोर्ट पर कार्यवाही पर रोक लगा दी थी, जिसमें सुरक्षा बलों को अफस्पा द्वारा दी गई छूट का हवाला दिया गया था। यह निर्देश ऑपरेशन का नेतृत्व करने वाले सेना अधिकारी की पत्नी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया गया था। याचिकाकर्ता ने सैन्य मामलों के विभाग द्वारा मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं देने का हवाला देते हुए चार्जशीट पर रोक लगाने की मांग की थी।

साकी ने कुछ मिला न दिया हो जाम में

उनका कहना है कि शराबबंदी अच्छी बात नहीं है। जनता को चाहिए कि वह खुद शराब छोड़े। अहा! क्या क्रांतिकारी सूत्र है। यह है भी एकदम सार्वभौमिक। शराब-तो-शराब, हर प्रकार की बंदियों के लिए एकदम मुफीद बैठता है। आज तक सरकारें इस सिद्धांत से अनभिज्ञ रहीं, फलस्वरूप देश किसिम-किसिम की असफल बंदियों का साक्षी बनता रहा। नोटबंदी को ही लीजिए। क्या ही अच्छा होता यदि आम-जन खुद ही नकली नोटों से किनारा कर लेते। क्या ही अच्छा होता यदि वे तिजोरियों में कालाधन भरने की प्रवृत्ति पर स्वतः अंकुश लगा लेते। उन्होंने ऐसा नहीं किया, अतः सरकार स्वयं नोटबंदी करने कूद पड़ी। उसके बाद जो बवाल कटा कि बस। ऐसा ही बवाल नसबंदी अभियान के समय भी देखने में आया था। देशवासी खुद ही अपनी-अपनी नसों पर नियंत्रण करते चलते तो इसकी नौबत ही क्यों आती। सरकार का मंतव्य आसानी से पूरा हो जाता। आमजन को ब्रह्मचर्य का पुण्य मिल जाता सो अलग। शुक्र है शराबबंदी किये जाने के पहले जगत को यह महान सूत्र प्राप्त हो गया। मैंने शराबबंदी के लिए धरनारत एक महिला को दमक कर ज्ञान दिया। 'सरकार से मांगने की जगह तुम खुद ही शराब क्यों नहीं छोड़ देती?' वह नाराज हो गयी। उसने बताया कि वह पीती ही नहीं। उसने बताया कि बेवड़ा तो उसका पति है। मैंने उसके पति को ज्ञान देना चाहा तो उसने कोई तवज्जो नहीं दी। उक्त क्रांतिकारी विचार लागू करने में और लोगों को शराब छुड़ाने में बस एक ही समस्या है। कुछ इसलिए नहीं छोड़ पाते क्योंकि उनकी शराबबंदी में रुचि नहीं है बाकी इसलिए नहीं छोड़ सकते क्योंकि वे पीते ही नहीं।

थक-हार कर मैंने पुनः मंत्री जी की ओर रुख किया। मैंने उनसे कहा, 'आप शराबबंदी क्यों नहीं करते। क्या आपको जनता के स्वास्थ्य की चिंता नहीं है?' 'चिंता है इसलिए तो नहीं करते।' उन्होंने बताया। 'शराब से सरकार को पैसा आता है। पैसे से अस्पताल बनते हैं और अस्पताल से स्वास्थ्य मिलता है।' मंत्री जी ने यह भी बताया कि शराबबंदी से सबसे बड़ा नुक़सान यह है कि इससे जहरीली शराब की सप्लाई शुरू हो जाती है। चूंकि आमजनों ने ग़ालिब के शे'र नहीं पढ़े होते। इसलिए उनके दिमाग में यह बात नहीं आ पाती कि 'मुझ तक कब उनकी बज़्म में आता था दौर-ए-जाम, साकी ने कुछ मिला न दिया हो शराब में।' फलस्वरूप वे जहरीली शराब का सेवन कर जान गंवा बैठते हैं। यह वाकई बड़ी समस्या है। सरकारें शराबबंदी तो कर सकती हैं। जहरबंदी करना उनके बस में नहीं होता।

ब्लॉग चर्चा

जिंदगी को कौन समझ पाया है। लेकिन जिंदगी की जद्दोजहद में कुछ बातें तो कही जा सकती हैं। मसलन, जब आप कठिनाइयों को झेल जाते हैं, तब आप सुकून की जिन्दगी पाते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों (कार्यों) से महान बनता है, अपने जन्म से नहीं। इतना समझदार भी मत बनो कि लाइफ बोरिंग हो जाये। अपने अंदर के बच्चे को हमेशा ज़िंदा रखो। लोग कहते हैं कि ज़िन्दगी अपने हिसाब से जीनी चाहिए और हर सुबह वही लोग किसी और के हिसाब से जीने चले जाते हैं। कल रात ज़िन्दगी मेरे सपने में आई और बोली 'कब तक किसी और के पीछे चलेगा अब खुद के पीछे चल। दुनिया की इस भीड़ में औरों को ढूंढ़ते ढूंढ़ते मैंने खुद को पा लिया। उस रास्ते पर मत जाओ जहां ज़िन्दगी ले जाती है बल्कि अपना रास्ता खुद बनाओ।'

ज़िन्दगी हमें बहुत कुछ देती है। खुशी भी देती है, गम भी देती है। हिम्मत भी देती है और हिम्मत हारना भी देती है। यह हमारे ऊपर है कि हम अपनी झोली किस चीज़ से भरते हैं। ज़िन्दगी सबसे बड़ी गुरु है। मरने नहीं देती ज़िन्दगी जब तक जीना नहीं सीखा देती। हंसने नहीं देती ज़िन्दगी जब तक रोना नहीं सीखा देती। ऐसे ही कुछ सुविचार जिंदगी को बदलने के लिए हैं। यदि ज़िन्दगी चक्रव्यूह है तो हमें अभिमन्यु बनना होगा। दूसरों की ज़िन्दगी से सीखो, अपनी ज़िन्दगी से सीखने बैठोगे तो उम्र कम पड़ जाएगी। माना कि ज़िन्दगी इतनी आसान नहीं है, पर मुस्कुराते रहने में कोई नुकसान नहीं है। ज़िन्दगी बेहतर हो जाती है जब आप खुश होते हैं। लेकिन ज़िन्दगी तब बेहतरीन हो जाती है जब हमारी वजह से दूसरे खुश हो जाते हैं। ऐसे ही अनेक कोट्स हैं जो जिंदगी के नजरिये के बारे में बताते हैं। जैसे ज़िन्दगी एक किताब की तरह है। यदि एक पेज गलत हो जाये तो ज़रूरत पड़ने पर उस पेज को फाड़ देना मगर उस पेज के लिए पूरी किताब मत खो देना। ज़िन्दगी के कुछ पल सुकून के भी निकालो। क्योंकि इंसान की जरूरतें तो कभी भी खत्म नहीं होती। ज़िन्दगी एक खेल की तरह है, यह आप पर निर्भर करता है कि आपको खिलाड़ी बनना है या खिलौना। ज़िन्दगी में जब भी मौका मिले सारथी बनने का प्रयास करना, स्वार्थी बनने का नहीं। जीवन साइकिल चलाने जैसा है, अगर आप गिरना नहीं चाहते तो आपको इसे चलाते रहना चाहिए। ऐसे ही कुछ और महान कोट्स हैं जिन पर हम मनन कर सकते हैं जैसे, यह सच है जिंदगी एक मिनट में नहीं बदल सकती पर एक मिनट में लिया गया फैसला ज़िन्दगी बदल देता है। ज़िन्दगी में अगर खुश रहना है तो दो बातें हमेशा याद रखना! जो खोया है उसका गम नहीं और जो पाया है वह भी किसी से कम नहीं।

पूर्व विधायक हरि सिंह नरवरिया के गांव सेपुर में अखिल भारतीय लोधी क्षत्रिय महासभा ने श्रद्धांजलि अर्पित की

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारत सरकार में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के कंधे से कंधा से खड़े होने वाले विधानसभा क्षेत्र मेहगांव के पूर्व विधायक हरि सिंह नरवरिया की द्वितीय पुण्यतिथि पर ग्राम अशोखर के सेपुरा मैं पहुंचकर उनकी प्रतिभा पर माले पर माल्यार्पण कर भवानी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह कहा कि हरि सिंह नरवरिया जैसी एक व्यक्ति ने समाज को सही मार्ग पर ले जाने की प्रणाली राजनीतिक रूप में उन्होंने अपने क्षेत्र को विकास के लिए आगे बढ़ाने का कार्य किया हम सब उनके विचारों को और समाज जागृत करते हुए संगठन को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री डॉ तरुण शर्मा, विधि प्रकोष्ठ के पूर्व जिला संयोजक महेश सिंह गुर्जर एडवोकेट, ग्राम पंचायत सरपंच सुघर सिंह नरवरिया, रविंद्र सिंह नरवरिया एडवोकेट, भंवर सिंह नरवरिया, सुभाष राठौड़, राम हरि शर्मा, ग्राम पंचायत पीपरी सरपंच अजमेर सिंह नरवरिया, रायसिंह नरवरिया, मेघ सिंह नरवरिया, राधेश्याम सरपंच मंडल अध्यक्ष जेल सिंह नरवरिया, रामबरन सिंह नरवरिया, राहुल सरपंच,इल्यास मोहब्बत लोधी महासभा के जिलाध्यक्ष सुघर सिंह नरवरिया सरपंच लोधी महासभा के जिला महामंत्री एवं अभिभाषक संघ के कोषाध्यक्ष महेश सिंह नरवरिया, एडवोकेट,संघ के जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह नरवरिया छात्रावास के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया,आर आई मंदिर के पूर्व अध्यक्ष रजपुरा मेघ सिंह नरवरिया, सरपंच धुरव सिंह, महेंद्र सिंह, विशाल सिंह, शौकीन सिंह शिक्षक आदि लोग काफी संख्या में मौजूद थे ।

हर बूथ से भाजपा को उखाड़ फेंकने के लिए कार्यकर्ता तैयार रहे : मानसिंह कुशवाहा

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं का आव्हान करते हुए कहा कि विधानसभा 2023 और लोकसभा 2024 के चुनाव में हर बूथ से भारतीय जनता पार्टी को पूरी तरह उखाड़ फेंकने के लिए एकजुटता के साथ काम रहे हैं, इसी प्रकार की एकजुटता के साथ चुनाव के समय बूथ मैनेजमेंट में कार्यकर्ता पूरी तरह सचेत होकर एकजुटता के साथ काम करें तो निश्चित ही पूर्ण बहुमत की सरकार बनना तय है । जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री कुशवाहा ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के द्वारा भारत जोड़ो यात्रा और हाथ से हाथ जोड़ो से देश में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है । अभी जिस प्रकार से राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता को खत्म किया गया है,देश की पूरी जनता ने देखा है, कि आज सच की लड़ाई लड़ने वाले

स्वच्छ छवि के नेता राहुल गांधी के साथ कितना बड़ा अन्याय हुआ है,मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को वोट के लिए पागल जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर भाजपा नेताओं ने ओछी मानसिकता का परिचय दिया है, इन सब कारणों से आमजनता का भाजपा के प्रति मोहभंग होकर कांग्रेस के प्रति जुड़ाव बड़ा है ।श्री कुशवाहा ने कहा कि महंगाई से आमजनता बुरी तरह त्रस्त हो चुकी है।युवाओं को रोजगार मिल नहीं रहा,भाजपा के सरकार में चारों ओर भृष्टाचार बड़ा है।श्री कुशवाहा ने कहा कि पार्टी के छोटे से छोटे कार्यकर्ता से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय नेतागण एकजुटता के साथ जनता के बीच जाकर अपनी बात रख रहे हैं और जनता के बीच में रहकर जनता के साथ जनता की हित की लड़ाई लड़ रहे हैं।श्री कुशवाहा ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 और लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

मालनपुर फायर स्टेशन द्वारा अग्निसमन सप्ताह का समापन

पुष्पांजली टूडे मालनपुर संवाददाता
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर फायर पुलिस स्टेशन में 14 अप्रैल 2023 से मनाए जा रहे अग्निसमन सप्ताह का समापन समारोह किया गया बता दें कि अग्निशमन सप्ताह शहीदों को याद कर मनाया जाता है मुंबई में सन 1944 पानी के जहाज में लगी आग को बुझाने मैं फायर पुलिस के 66 जवान शहीद हुए थे उसी उपलक्ष्य में अग्निशमन सप्ताह मनाया जाता है अग्निशमन सप्ताह समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूर्या रोशनी एचआर हेड मुकुल चतुर्वेदी ने कहा कि मालनपुर उद्योग क्षेत्र का सौभाग्य है की यहां पर पुलिस फायर स्टेशन बना हुआ है जिससे उद्योग क्षेत्र में बहुत राहत है तत्काल सूचना पर फायर की गाड़ियां तुरंत पहुंचती है इसी क्रम में फायर स्टेशन उपनिरीक्षक

जगदीश पोसवाल ने कई मुख्य जानकारियां दी जिसमें उन्होंने बताया कि अगर हम किसी ऐसी जगह पर जा रहे हैं जिस जगह निकलने के लिए एक ही दरवाजा है तो ज्ञात रहे कि अगर कोई दुर्घटना होती है तो हम किस जगह से निकलेंगे उदाहरण के तौर पर जैसे हम मॉल में कोई सामान खरीदने गए सबसे पहले हमको यह देखना है कि निकलने का दूसरा दरवाजा कहां से है अगर कोई दुर्घटना होती है तो उस स्थिति में जिससे हम उस दरवाजे से निकल सकें बता दें कि फायर पुलिस द्वारा 14 अप्रैल से कई कंपनियों में फायर की जानकारी एवं

आग बुझाने की जानकारी दी जैसे कि केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 एयरफोर्स स्टेशन ,गोदरेज कंपनी मालनपुर , डुलक्स पेंट ,एमजीआई रबड़ शिवाजी पब्लिक स्कूल,आदि इस कार्यक्रम का समापन सभी का आभार स्टेशन प्रभारी सतीश चतुर्वेदी द्वारा किया गया मौके पर उपस्थित रहे नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मुकेश किरार , आधा दर्जन कंपनी के एचआर मैनेजर मौजूद रहे

चंबल कमिश्नर ने की लहार घटना की जाँच

कमिश्नर ने सभी पक्षों से की बातचीत ,टूटे मकान का भी किया निरीक्षण

पंकज त्रिपाठी
पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । चंबल संभाग के भिण्ड जिले के लहार अतिक्रमण हटाने को लेकर हुआ विवाद की जांच के लिये ग्वालियर - चंबल संभाग के कमिश्नर दीपक सिंह लहार पहुंचे।उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा ग्वालियर - चंबल संभाग के कमिश्नर दीपक सिंह को जांच के निर्देश दिये है।ज्ञातव्य रहे कि लहार करबे के भिण्ड भाण्डेर रोड़ साधु बाबा चौराहे मुख्य मार्ग पर कई वर्ष पुराना एक मकान बना हुआ है, यह मकान मोहन लाल झा का है। जिसको तोड़ने के लिये बुधवार की सुबह नगर पालिका अमला प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचा। अमले के साथ सीएमओ महेश पुरोहित, एसडीएम, तहसीलदार एवं पुलिस बल साथ में था। अतिक्रमण हटाने के लिये नगर पालिका द्वारा जेसीबी मशीनों का उपयोग किया और अतिक्रमण हटाना शुरू हुआ तो इसकी जानकारी मकान मालिक को पूर्व से नहीं थी।इस घटना को लेकर विवाद हुआ। इस विवाद की जांच के लिये कमिश्नर दीपक सिंह लहार पहुंचे, जहां उन्होंने मौका मुआयना किया। सभी पक्षों से विस्तार से बातचीत की, जो मकान टूटा है, उसको भी देखा। दोनों पक्षों के बकीलों ने अपने पक्ष प्रस्तुत किये। निरीक्षण के दौरान भिण्ड कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस

अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, एसडीएम गोहद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस घटना को लेकर सीएमओ को मुख्यालय पर अटेच किया है एवं एसडीएम का तबादला किया गया है।

जय भोले ग्रुप अहमदाबाद 11 हजार किमी चारधाम की यात्रा करेगा ताकि श्रीयंत्र निर्माण में कोई बाधा न आए

पिनल नागर, पुष्पांजली टुडे

बनासकांठा/गुजरात ।आद्यशक्ति स्थित अंबा के धाम अंबाजी में दुनिया का सबसे बड़ा श्री यंत्र स्थापित होने जा रहा है, जिसका निर्माण अहमदाबाद के जय भोले समूह के दीपेशभाई पटेल कर रहे हैं. दीपेशभाई पटेल और जय भोले समूह अहमदाबाद के सदस्यों द्वारा श्री यंत्र की मेरु श्री यंत्र प्रतिकृति के साथ चारधाम यात्रा श्री यंत्र के निर्माण को पूरा करने के उद्देश्य से आज अंबाजी से शुरू होगी। अपनी निर्विघ्न यात्रा को पूर्ण करने के लिए बनासकांठा के कलेक्टर श्री वरुण बरनवाल ने आज सुबह पालनपुर कलेक्टर कार्यालय में मेरु श्री यंत्र की पूजा अर्चना कर अहमदाबाद की जय भोले समूह की चारधाम यात्रा को हरी झंडी दिखायी. इस मौके पर कलेक्टर श्री वरुण बरनवाल ने कहा कि जय भोले ग्रुप अहमदाबाद द्वारा मां अम्बा का लगभग 2200 किलो श्रीयंत्र धातु सोना, चांदी, तांबा, पीतल और लोहे से बनाया जा रहा है. इस श्री यंत्र के निर्माण में कोई व्यवधान न हो, इसके लिए जय भोले ग्रुप अहमदाबाद की चारधाम यात्रा आज से शुरू कर दी गई है।चारधाम और तिरुपति

बालाजी यात्रा में 32 किलो वजनी मेरु श्री यंत्र को श्री यंत्र की प्रतिकृति के रूप में ले जाया जा रहा है। मैं जिला प्रशासन, श्री अंबाजी देवस्थान ट्रस्ट और बनास की जनता की ओर से उनकी यात्रा पूर्ण होने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। द्वारका, बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम, तिरुपति बालाजी और कोल्हापुर महालक्ष्मी माता के चारधाम की इस यात्रा के दौरान करीब एक महीने का समय लगेगा और 11 हजार किमी की यात्रा तय करेगी.इस मौके पर जय भोले ग्रुप अहमदाबाद के दीपेशभाई पटेल ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा श्री यंत्र बनाने के लिए हम दो महीने से कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस श्रीयंत्र को बनने में करीब दो महीने का समय लगेगा। इस कार्य में किसी भी तरह के खतरे या व्यवधान से बचने के लिए श्री यंत्र की प्रतिकृति 32 किलो मेरु श्री यंत्र के साथ अम्बाजी से चारधाम की यात्रा शुरू हो रही है। जिसे कलेक्टर ने आज पालनपुर से रवानगी कर दी है। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा श्रीयंत्र बनाने का विचार उन्हें तब आया जब वह डोलासराम गए। यह श्री यंत्र पांच धातुओं

तांबा, पीतल, लोहा, सोना और चांदी से बना होगा और इसे मां अंबा के दरबार में स्थापित किया जाएगा। चार फीट लंबाई,

चौड़ाई और ऊंचाई और 2200 किलोग्राम वजनी जय भोले समूह के सदस्यों द्वारा एक करोड़ की अनुमानित लागत से बनाया गया था। वजन वाला श्री यंत्र बनाया जा रहा है। अंबाजी में स्थापित इस श्री यंत्र से अंबाजी दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे महंगा श्री यंत्र मंदिर बन जाएगा। इसके निर्माण में करीब 25 कारीगर दिन-रात काम कर रहे हैं।यात्रा के प्रस्थान के अवसर पर श्री अरैसुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट की प्रशासक सुश्री सिद्धि वर्मा, अंबाजी मंदिर के पुजारी और जयभोले समूह अहमदाबाद के सदस्य उपस्थित थे।

नेता प्रतिपक्ष राजनीतिक धर्म का पालन करें, कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : आशुतोष तिवारी

लहार के प्रभारी आशुतोष तिवारी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा की सरकार है डरने की कोई आवश्यकता नहीं पार्टी का कार्य एवं जनता की सेवा में लगे रहे

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व संगठन मंत्री एवं मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष आकांक्षी विधानसभा लहार क्षेत्र के प्रभारी आशुतोष तिवारी ने कहा नेता प्रतिपक्ष राजनीतिक धर्म का पालन करें, क्षेत्र की जनता एवं कार्यकर्ताओं के ऊपर किसी भी अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभी तक जो कुछ होता आ रहा था अब नहीं होगा । लहार के अधिकारियों पर किसी भी प्रकार का दबाव बनाने की कोशिश नहीं करें। आप के इशारे पर नगर पालिका सीएमओ द्वारा जनता के साथ अभद्र व्यवहार और कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किया गया सारी घटनाक्रम मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संज्ञान में लेकर तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता का सेवक होता है यह नहीं कि किसी भी व्यक्तियों में भय का वातावरण से डराया धमकाया लहर नगर पालिका के सीएमओ द्वारा जिस प्रकार की अतिक्रमण के नाम पर कार्रवाई की और जनता का शोषण किया यह किसी भी कीमत पर इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा जैसा नेतृत्व सब को न्याय दिलाने की चिंता करता है वह हमारे

साथ खड़े हुए हैं हमें किसी से भी डरना नहीं है।लहार क्षेत्र के प्रभारी श्री तिवारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं जनता से कहा किसी भी तरह विपक्ष के लोगों से डरने की आवश्यकता नहीं है प्रदेश में भाजपा की सरकार है सभी के कल्याण के लिए न्याय दिलाने के लिए संकल्पित है संगठन का कार्य एवं सरकार की योजनाओं को लहार विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गली और मोहल्लों के निवासरत लोगों के बीच पहुंचाते रहे । उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के भय में रहने की आवश्यकता नहीं है पार्टी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी।उन्होंने नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह को समझाइश दी कि वे जन प्रतिनिधि होने का धर्म निभा कर जनता की सेवा करें कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लहार क्षेत्र के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओ पर पार्टी को गर्व है कि वे पूरे उत्साह के साथ जनता की सेवा के लिए लगे हुए हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता किसी भी प्रकार की धमकियों से डरने वाला नहीं है, ना ही उनको धमकाया जा सकता है। तिवारी ने लहार क्षेत्र के विभागीय अधिकारी और कर्मचारियों से कहा कि वह सब भी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी की मंशा अनुसार जनता की जन सेवा करें भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही नहीं वरन सभी के साथ अच्छा व्यवहार करें किसी भी विरोधी या कांग्रेश नेता के सारे पर पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता का उत्पीड़न ना करें। उन्होंने पुलिस के अधिकारियों से भी कहा कि किसी भी विपक्ष के नेता के दबाव में पार्टी कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे लगाने की कोशिश ना करें। उन्होंने कहा कि नगरीय प्रशासन आवास मंत्रालय भोपाल द्वारा प्रमुख सचिव ने पत्र के माध्यम से आदेश जारी किया है कि 7 दिवस में घटना के संबंध में तथ्यात्मक प्रतिवेदन भेजे उसके बाद सरकार आगे की कार्रवाई करेगी ।

रोमांचक मुकाबले में 14 रन से जीती मुंबई

हैदराबाद के खिलाफ कैमरून ग्रीन रहे हीरो; अर्जुन तेंदुलकर ने पहला आई पी एल विकेट लिया

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस (स्न्ढ्ढ) ने सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रॉ) को 14 रन से हरा दिया। अर्जुन तेंदुलकर ने 20वें ओवर में 20 रन डिफेंड किए। उन्होंने आखिरी ओवर में भुवनेश्वर कुमार को कैच आउट कराकर अपने ढ्ढक्क करियर का पहला विकेट लिया। कैमरून ग्रीन ने 19वें ओवर में 4 ही रन दिए। उन्होंने पहली पारी में 64 रन की नॉटआउट पारी भी खेली। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद 19.5 ओवर में 178 रन ही बना सकी। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी मुंबई से कैमरून ग्रीन ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने आखिर तक बैटिंग कर टीम का स्कोर 190 के पार पहुंचाया। मयंक अग्रवाल और हेनरिक क्लासेन लगातार ओवरों में आउट हो गए। क्लासेन 14वें ओवर में पीयूष चावला और मयंक 15वें ओवर में राइली मेरिडिथ का शिकार हुए। दोनों के आउट होने के बाद हैदराबाद बैकफुट पर चली गई। सनराइजर्स हैदरादाबाद को आखिरी 2 ओवर में 24 रन की जरूरत

थी। अब्दुल समद और भुवनेश्वर कुमार क्रीज पर थे। 19वें ओवर में कैमरून ग्रीन ने 4 ही रन दिए, जिस कारण 20वें ओवर में अर्जुन तेंदुलकर के पास डिफेंड को 20 रन मिले। उन्होंने आखिरी ओवर में 5 ही रन दिए और एक विकेट भी लिया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी मुंबई को रोहित शर्मा और ईशान किशन ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने 4.4 ओवर में 41 रन जोड़े। रोहित 28 रन बनाकर थंगारसु नटराजन का शिकार हुए। टीम ने फिर 6 ओवर में एक विकेट पर 53 रन बनाए। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने 33 बॉल में अपनी फिफ्टी पूरी की। ढ्ढक्क के डेब्यू सीजन में ग्रीन का यह पहला ही अर्धशतक है। वह 5वें ओवर में रोहित शर्मा का विकेट गिरने के बाद क्रीज पर आए थे। ग्रीन 64 के स्कोर पर नॉटआउट रहे। मुंबई से ग्रीन के अलावा ईशान किशन ने 38, तिलक वर्मा ने 37, रोहित शर्मा ने 28, टिम डेविड ने 16 और सूर्यकुमार यादव ने 7 रन बनाए। स्क्रॉ से मार्को यानसन ने 2, भुवनेश्वर कुमार और थंगारसु नटराजन ने एक-एक विकेट मिला। एक बैटर रन आउट हुआ। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा के ढ्ढक्क में 6000 रन पूरे हो गए हैं। उन्होंने तीसरे ओवर की दूसरी बॉल पर चौका लगाने के साथ यह कारनामा किया। रोहित से पहले विराट कोहली, शिखर धवन और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ही ऐसा कर सके हैं। पहला- पांचवें ओवर की चौथी बॉल थंगारसु नटराजन ने स्लोअर फेंकी। रोहित शर्मा मिड-ऑफ पर कैच आउट हो गए। उन्होंने 28 रन बनाए। मार्को यानसेन ने 12वें ओवर की पहली बॉल शॉर्ट पिच फेंकी। ईशान किशन ने मिड-ऑफ के ऊपर से शॉट खेला, लेकिन मार्करम ने पीछे की ओर दौड़ते हुए शानदार कैच पकड़ लिया।

भारत के खिलाफ वर्ल्ड ट्रेड सेंटर- फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

मार्कस हैरिस, इंगलिस और मिचेल मार्श की वापसी, टॉड मर्फी को भी जगह

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बुधवार सुबह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और उसके बाद एशेज सीरीज के दो टेस्ट मैचों के लिए टीम की घोषणा कर दी है। फाइनल के लिए ऑलराउंडर मिचेल मार्श की 4 साल बाद टीम में वापसी हुई है। 2 महीने पहले भारतीय दौरे पर नागपुर में टेस्ट डेब्यू करने वाले स्पिनर टॉड मर्फी को भी टीम में जगह दी गई। मिचेल मार्श को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। वनडे सीरीज से पहले टेस्ट सीरीज में उन्हें टीम में जगह नहीं दी गई थी। मार्श की चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने 2019 में अपना अखिरी टेस्ट खेला था। भारतीय दौरे पर वनडे सीरीज के दौरान मार्श ने 3 मैचों में 97 की औसत से 194 रन बनाए थे। वहीं इंडिया दौरे पर टेस्ट टीम से बाहर रहे मार्कस हैरिस को भी फाइनल के लिए टीम में जगह दी गई है। हैरिस को ओपनर बैकअप के तौर पर चुना गया है। वहीं पहली बार जोश इंग्लिस को

भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। वे ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर सके हैं। ङ्खञ्जष्ट फाइनल मे लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम मैनेजमेंट ने ओपनर डेविड वार्नर पर भरोसा जताया है। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वार्नर का बल्ला नहीं चल पाया था। वह टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाए थे। वार्नर भारतीय गेंदबाजों खास तौर से स्पिनर के सामने जूझते नजर आ रहे थे। वह शुरुआती दो मैचों में 8.66 की औसत से सिर्फ 26 रन बनाए थे। उसके बाद भी उन पर टीम मैनेजमेंट ने भरोसा जताया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के कंधों पर तेज गेंदबाजी की कमान होगी। उनके अलावा टीम में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जोस हेजलवुड और स्कॉट बोलैंड को टीम में शामिल किया गया है। वहीं तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर कैमरून ग्रीन और मिचेल मार्श को मौका दिया गया है। कैमरून ग्रीन ने दो महीने पहले इंडिया के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 67.50 की औसत से 135 रन भी बनाए थे। हालांकि विकेट लेने में वह सफल नहीं हो पाए। 17 सदस्यीय कंगारू टीम में बतौर स्पिनर नाथन लायन और टॉड मर्फी को जगह मिली है। मर्फी भारतीय दौरे पर नागपुर टेस्ट से ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था।

देश में ई स्पोर्ट्स प्लेयर्स की संख्या बढ़ी

4 गुना बढ़कर 6 लाख; महिलाएं ज्यादा वक्त दे रहीं

मुंबई। भारत में ई स्पोर्ट्स तेजी से बढ़ रहा है। गेमिंग एंड इंटरेक्टिव मीडिया कंपनी लुमिकाइ और एमाजन वेब सर्विस की रिपोर्ट के अनुसार, देश में ई-स्पोर्ट्स खिलाड़ियों में 4 गुना का उछाल देखा गया है। 2021 में भारत में डेढ़ लाख ई स्पोर्ट्स खिलाड़ी थे। अब इनकी संख्या 6 लाख पहुंच गई है। एक भारतीय गेमर हफ्ते में 8.5 से 11 घंटे गेम खेलता है। साथ ही, इसमें महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। महिलाएं औसतन हफ्ते में 11 घंटे गेम खेलती हैं। जबकि, पुरुष हफ्ते के 10.2 घंटे ऑनलाइन गेम को दे रहे हैं। गेमर्स को भारतीय थीम वाले गेम ज्यादा पसंद है। 82त्न गेमर्स पौराणिक कथाओं पर बने

गेम खेलना चाहते हैं। 78त्न का मानना है कि वे भारतीय सितारों (सेलेब्रिटी) पर बने खेल खेलना चाहते हैं। भारतीय इतिहास वाले गेम के लिए 79त्न खिलाड़ियों ने हामी भरी। ई स्पोर्ट्स का भारतीय बाजार लगातार बढ़ रहा है। साल 2022 में भारतीय ई-स्पोर्ट्स इंडस्ट्री ने 328 करोड़ रुपए की कमाई की। जबकि, 2021 में कमाई का आंकड़ा 250 करोड़ रुपए था। भारतीय ई स्पोर्ट्स इंडस्ट्री हर साल 32त्न तक बढ़ रही है।

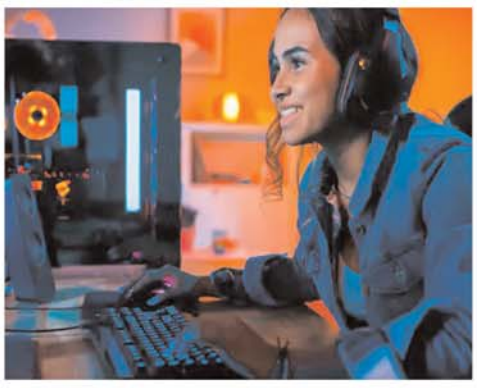

श्रीलंका ने आयरलैंड को पारी और 280 रन से हराया

टीम की टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी जीत, मैच में लगे चार शतक

श्रीलंका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में आयरलैंड को तीसरे दिन ही पारी और 280 रन से हरा दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में श्रीलंका की पारी के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। श्रीलंका ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच 24 अप्रैल से खेला जाएगा। प्रभात जयसूर्या को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जयसूर्या ने दोनों पारी में 108 रन देकर 10 विकेट झटके। करुणारत्ने और मेंडिस ने दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 281 रन की साझेदारी की। श्रीलंका ने पहली पारी छह विकेट पर 591 रन बनाकर घोषित की थी। जिसके जवाब में आयरलैंड को पहली पारी में 143 रन बनाने के बाद फॉलोआन के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी पारी में भी

आयरलैंड की टीम 168 रन ही बना सकी जिससे श्रीलंका ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। आयरलैंड ने तीसरे दिन के खेल के दौरान 13 विकेट गंवाए। श्रीलंका के लिए पहली पारी में चार खिलाड़ियों ने शतक लगाया। श्रीलंका के लिए कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने सबसे ज्यादा 179 रन की पारी खेली। उसके अलावा कुसल मेंडिस 140, सदीरा समरविक्रमा नाबाद 104 और दिनेश चांदीमल 102 रन की पारी खेली। आयरलैंड के लिए कर्टिस कैम्फर ने दो विकेट लिए। इसके अलावा एंडी मैकब्राइन, जॉर्ज डॉकरेल, बेन व्हाइट और मार्क अडायर ने एक-एक विकेट झटके।

जयपुर में आई पी एल मैच से पहले विवाद

जयपुर। राजस्थान में इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) मैच से पहले ही विवाद शुरू हो गया है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (ऋष्ट) की ओर से सवाई मान सिंह (स्रूस्) स्टेडियम में किए गए निर्माण को लेकर अब खेल मंत्री अशोक चांदना ने नाराजगी जाहिर की है। मंगलवार शाम करीब छह बजे स्टेडियम का निरीक्षण करने पहुंचे चांदना ने कहा- ऋष्ट ने खेल परिषद के साथ हुए एमओयू का उल्लंघन किया है। स्टेडियम में निर्धारित स्थान से ज्यादा पर निर्माण कराया है। यह पूरी तरह से गलत है। इसकी जांच के निर्देश दिए हैं। नोटिस दे दिया गया है। जरूरत पड़ने पर सील भी की जाएगी। मंगलवार शाम सवाई मानसिंह स्टेडियम का निरीक्षण करने पहुंचे खेल मंत्री अशोक चांदना ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की कार्यशैली को लेकर नाराजगी जताई। मंगलवार शाम सवाई मानसिंह स्टेडियम का निरीक्षण करने पहुंचे खेल मंत्री अशोक चांदना ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की कार्यशैली को लेकर नाराजगी जताई।

विजडन टॉप-5 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में हरमनप्रीत शामिल

पहली बार कोई भारतीय महिला चुनी गई, सूर्या साल के बेस्ट टी-20 क्रिकेटर

विजडन क्रिकेटर्स अलमानेक ने साल के टॉप-5 क्रिकेटर्स की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें भारत की महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी शामिल हैं। इस लिस्ट में कौर के अलावा, टॉम ब्लंडेल (न्यूजीलैंड), बेन फोक्स (इंग्लैंड), डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड) और मैथ्यू पॉट्स (इंग्लैंड) के नाम भी मौजूद हैं। सूर्यकुमार यादव को टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है। हरमनप्रीत कौर इस सम्मानित लिस्ट में जगह बनाने वालीं भारत की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं। विजडन 1889 से हर साल यह लिस्ट जारी कर रहा है। इसके अलावा इंग्लैंड के बेन स्टोक्स को पुरुष खिलाड़ियों में साल 2022-

23 के लिए दुनिया का सबसे शानदार क्रिकेटर चुना गया है। वहीं महिला क्रिकेटर्स में ये पुरस्कार बेथ मूनी को मिला है। सूर्यकुमार यादव को टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है। हरमनप्रीत को पिछले साल उनके उम्दा प्रदर्शन के लिए यह सम्मान मिला है। हरमनप्रीत ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मुकाबले में 111 गेंद में नाबाद 143 रन बनाए थे। इसके साथ ही टीम इंडिया ने साल 1999 के बाद पहली बार इंग्लैंड में कोई वनडे सीरीज जीती थी। हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम ने कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल भी अपने नाम किया था। वहीं टीम एशिया कप की भी विजेता बनी थी। पिछले साल हरमनप्रीत ने 17 वनडे मुकाबले खेले थे और 58.00 की औसत से 754 रन बनाने में कामयाब रही थीं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 142 रन नाबाद था। सूर्यकुमार यादव इस समय टी-20 क्रिकेट में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। उन्होंने साल 2022 में 31 मैच खेले थे और 187.43 की शानदार स्ट्राइक रेट से 1,164 रन बनाए थे। जो एक कैलेंडर वर्ष में अब तक का दूसरा सर्वाधिक रन है। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 9 अर्धशतक लगाए थे। साल 2023 में भी सूर्यकुमार अपने बल्ले से कमाल कर रहे हैं। उन्होंने इस साल 6 मैच खेले हैं और 66.75 की औसत से 267 रन बनाए हैं।

2019 में भारत-न्यूजीलैंड मैच की व्यूअरशिप 2.53 करोड़ के साथ टॉप पर थी

मुंबई। ढ्ढक्क में सोमवार को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मैच डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यूअरशिप के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। इस मुकाबले की लाइव स्ट्रीमिंग देखने वालों की संख्या 2.4 करोड़ तक रही। यह ढ्ढक्क की अब तक की सबसे ज्यादा व्यूअरशिप है। वहीं, डिजिटल पर सबसे ज्यादा व्यूअरशिप 2019 वनडे वर्ल्ड कप में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए मैच के दौरान आई थी। उस मैच की व्यूअरशिप 2.53 करोड़ थी। ढ्ढक्क में सबसे ज्यादा लाइव स्ट्रीमिंग देखने वालों की तादाद 12 अप्रैल को हुए मुकाबले में नजर आई थी। चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के मैच का व्यूअरशिप 2.2 करोड़ था। वहीं ढ्ढक्क में इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स का मैच आता है।

जयपुर में 4 मैच जीते तो रॉयल्स का प्लेऑफ पक्का:बिना होम ग्राउंड पर खेले 4 मैच जीते, 5 खूबियों ने बनाया सबसे मजबूत टीम

जयपुर। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का सफर अब जयपुर पहुंच चुका है। टीम अपने 5 मुकाबले बाहर खेलकर अब अपने होम ग्राउंड एसएमएस स्टेडियम में 19 अप्रैल से अपने आगे की सफर की शुरुआत करने जा रही है। होम ग्राउंड में अपना सफर शुरू करने से पहले ही रॉयल्स ने अपनी स्थिति इतनी मजबूत कर ली है कि प्लेऑफ की दावेदारी सबसे मजबूत नजर आ रही है। इस सीजन में अबतक राजस्थान ने एक भी मैच अपने होम ग्राउंड जयपुर में नहीं खेला है। इसके बावजूद टीम अबतक आईपीएल पॉइंटस टेबल में टॉप पर है। राजस्थान को अगले 9 में से 5 मुकाबले जयपुर में खेलने हैं। जयपुर में रॉयल्स का रिकॉर्ड काफी अच्छा है। ऐसे में क्रिकेट एक्सपट्?र्स का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स इस लीग में कम से कम 5 मुकाबले और जीत सकती है और आसानी से प्लेऑफ में टॉप-2 का सफर तय कर सकती है। अबतक की टीमों के सफर पर नजर डालें तो हर टीम ने कोई न कोई मुकाबला अपने होम ग्राउंड पर खेला और जीता है। मगर राजस्थान रॉयल्स का होम ग्राउंड का सफर अभी तक शुरू नहीं हुआ था।

आई पी एल में आज लखनऊ बनाम राजस्थान

अब तक राजस्थान के खिलाफ जीत नहीं सका लखनऊ; जानिए पॉसिबल प्लेइंग इलेवन

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) में आज राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच लीग का 26वां मुकाबला खेला जाएगा। मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में शाम 7ः30 बजे से होगा। ढ्ढक्क के मौजूद सीजन में दोनों टीमों ने अब तक 5-5 मैच खेले हैं। पॉइंट्स टेबल में 4 जीत और 1 हार के साथ राजस्थान टॉप पर है। जबकि, लखनऊ 3 जीत के साथ दूसरे नंबर पर है। यह मैच पहले नंबर पर आने की जंग होगी। आगे स्टोरी में हम दोनों टीमों का हेड टु हेड रिकॉर्ड, टॉप प्लेयर्स, पिच रिपोर्ट, वेदर कंडीशन, पॉसिबल प्लेइंग-11 और इम्पैक्ट प्लेयर्स जानेंगे। अब तक खेले 5 मुकाबलों में राजस्थान रॉयल्स को 1 मैच में हार मिली है। टीम की इकलौती हार पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए दूसरे मुकाबले में आई। पिछले 3 मैच में राजस्थान ने दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस को हराया है। अब तक हुए 5 मुकाबलों में लखनऊ को 3 जीत मिली है। पिछले मुकाबले में पंजाब ने नजदीकी

मुकाबले में टीम को 2 विकेट से हराया था। हालांकि, लखनऊ शानदार फॉर्म में है। मार्क वुड टीम के सबसे सफल बॉलर हैं। उन्होंने 4 मैच खेले और 11 विकेट लिए हैं। पर्पल कैप की रेस में वुड चहल की बराबरी पर है। बल्लेबाजी की बात करें तो कैरेबियाई ऑलराउंडर काइल मेयर्स ने सबसे ज्यादा 168 रन बनाए हैं। उनके अलावा कप्तान केएल राहुल 155 रन के साथ दूसरे टॉप स्कोरर हैं। स्रूस् स्टेडियम में पहली पारी का औसत 157 रन रहा है। लेकिन, आंकड़े दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम के पक्ष में रहे हैं। यहां खेले गए 47 मैचों में से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 15 में ही जीत दर्ज कर सकी है। पिच बॉलिंग फ्रेंडली रहती है। आज तक इस पिच पर 200 रन नहीं बने। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले फील्डिंग करना ही पसंद करेगी। तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आस पास रहेगा। बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई सम्भावना नहीं है। रात के समय ओस के कारण बॉल गीली हो सकती है। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को दूसरी पारी में बॉलिंग करते हुए दिक्कतें हो सकती हैं। राजस्थान रॉयल्स = संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, रविचंद्रन अश्विन, जोस बटलर, ध्रुव जुरेल, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, संदीप शर्मा, जेसन होल्डर। लखनऊ सुपर जायंट्स- केएल राहुल (कप्तान), मार्कस स्टोइनिस, काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, करुणाल पांड्या, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मार्क वुड, आवेश खान, रवि बिश्नोई और युद्धवीर सिंह चरक।

घर में होगा हंगामा

अभिमन्यु को देखकर नाराज होगी अक्षरा

हालांकि इन दिनों सीरियल की कहानी अबीर के आस-पास घूम रही है, जिसमें दिखाया जा रहा है कि अक्षरा ने एकदम मन बना लिया है कि वह अबीर को लेकर अमेरिका जाएगी लेकिन वहीं अक्षरा के परिवार वाले इसके खिलाफ है। अभिनव भी इस बात के लिए तैयार नहीं है क्योंकि उसे कही कही पता है कि वह अबीर का असली पिता नहीं है, इसलिए वह इन सभी जिम्मेदारियों से दूर भाग रहा है. वहीं आने वाले एपिसोड में दिखाया जाएगा कि अभिमन्यु अबीर के पिता होने का फर्ज निभाएगा। दरअसल, एक पूजा हो रही होती है जिसमें से अभिनव गायब होता है वहां पर अभिमन्यु उसके पिता का फर्ज निभाता नजर आएगा. इस दौरान अक्षरा अंदाजा लगा लेती है कि अभिनव अभिमन्यु के पास गया होगा, जहां पर वह उसे मनाने कि कोशिश करता है कि प्लीज इस पूजा के लिए तैयार हो जा। वहीं पूजा वाले मौके पर अक्षु आराम-आराम से सभी चीजों को करती नजर आती है,

अपनों वैल्यू करना सिखाता हैं पॉप कौन में नूपुर सेनन का किरदार

एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन सिगर-एक्ट्रे नूपुर सेनन पॉप कौन के साथ ओटीटी पर डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि कॉमेडी शो में उसका करेक्टर एक फेमिनिस्ट है, और यह उनके अपने वैल्यू सिस्टम को दर्शाता है। अपने किरदार को निखारने में हर संभव प्रयास करते हुए सेनन ने कहा कि पीहू का किरदार ही असली प्रेरक शक्ति है।शो का नाम हटकर है और इसका आधार फिल्म में कुणाल के किरदार के पिता को ढूंढना है। मेरा किरदार पीहू है। मैं कुणाल की प्रेमिका की भूमिका निभा रही हूं। उनके रिश्ते को खूबसूरती से उकेरा गया है।उन्होंने कहा, शादी के मुकाम तक पहुंचने के लिए वे सभी बाधाओं से गुजरते हैं। जब मैंने स्क्रिप्ट सुनी, मुझे यह किरदार बहुत पसंद आया। वह उनमें से हूं, जो हर चीज में लॉजिक ढूंढती हैं। वह एक फेमिनिस्ट हैं जो एक ऐसा पहलू है जो मेरी अपनी वैल्यू सिस्टम को दर्शाता है। वह बहुत सारे सवाल पूछती है और अपनी राय रखने से कभी पीछे नहीं हटती है।लेकिन उस करेक्टर में एक ऐसा पहलू था जिस पर उन्हें वास्तव में काम करना है।उन्होंने कहा- पीहू का किरदार निभाते वक्त मुझे फिल्म की उन बारीकियों को समझने के लिए काम करना पड़ा। सेट पर होना बहुत खुशी की बात थी, रचनाकारों के साथ काम करना, विशेष रूप से मेरे निर्देशक फरहाद सामजी के साथ काम करना जिन्होंने मुझे पूरी तरह से निर्देशित किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि मैं अपने किरदार की लय को जानती हूं।

फिल्म गैसलाइट का ट्रेलर रिलीज, मर्डर मिस्ट्री लेकर आई सारा-विक्रांत और चित्रांगदा की तिकड़ी

सारा अली खान दर्शकों के बीच खुद को साबित कर चुकी हैं। वह फिल्म दर फिल्म अपने अभिनय में सुधार ला रही हैं। पिछली फिल्म अतरंगी रे में उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। सारा की आने वाली फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। उनकी फिल्म गैसलाइट भी काफी समय से चर्चा में है। यह वही फिल्म है, जिसमें उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी नजर आने वाले हैं। अब फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। फिल्म में सारा ने मीशा नाम की एक दिव्यांग लड़की का किरदार निभाया है, जो अपने पुश्तैनी घर लौटी है और अपने पिता के अचानक गायब होने से हैरान-परेशान है। वह व्हीलचेयर पर बैठकर अपने पिता की मौत का पता लगा रही है। चित्रांगदा ने मीशा की सौतेली मां रुक्मिणी का किरदार निभाया है। हत्या के पीछे उन्हीं की साजिश लग रही है। विक्रांत उर्फ कपिल मीशा के साथ उसके पिता की हत्या की गुत्थी सुलझाते दिख रहे हैं। सारा ने कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर फिल्म गैसलाइट की रिलीज डेट का ऐलान किया था। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। ऐसा पहली बार होगा, जब सारा पर्दे विक्रांत और चित्रांगदा के साथ नजर आएंगी। कुछ दिनों पहले सारा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें लोगों ने सारा, विक्रांत और चित्रांगदा की तिकड़ी की खूब तारीफ की थी। बीते दिन फिल्म से कलाकारों की पहली झलक सामने आई। सारा ने भी फिल्म का फर्स्ट लुक प्रशंसकों के साथ साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, मर्डर एक, शक कई, शून्य भरोसा। ट्रेलर कल यानी 14 मार्च को आएगा। इस फिल्म में राहुल देव और अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। सारा और विक्रांत फिल्म में होश उड़ा देने वाले किरदार निभाते दिखेंगे। फिल्म 31 मार्च को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी। सारा की पिछली फिल्म अतरंगी रे भी 2021 में सीधे हॉटस्टार पर आई थी और फिल्म को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। गैसलाइट सारा की दूसरी फिल्म है, जो फिर से हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने जा रही है। सारा जल्द ही फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में नजर आएंगी। वह फिल्म मर्डर मुबारक में काम कर रही हैं।

मानवता और अमानवीयता के व्यापक मुद्दों से संबंधित है फिल्म भीड़ : दीया मिर्जा

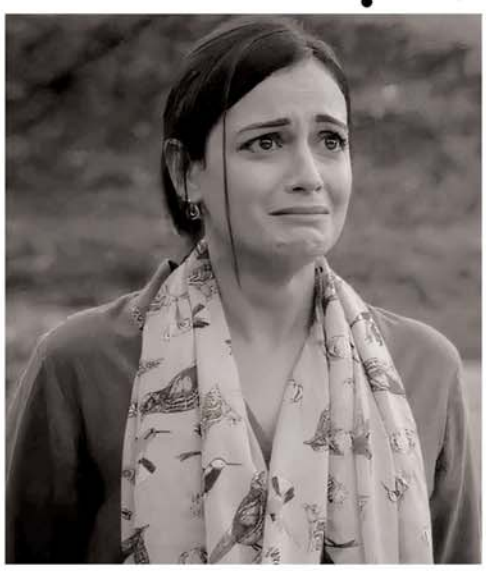

भीड़ में अभिनय करने वाली एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने कहा कि फिल्म की कहानी विशेषाधिकार और अभाव, शक्ति और शक्तिहीनता, मानवता और अमानवीयता, सहानुभूति और उदासीनता के व्यापक मुद्दों के बारे में है।अनुभव सिन्हा की मल्टीस्टारर फिल्म भीड़ का ट्रेलर 11 मार्च को रिलीज हुआ। ट्रेलर में मजबूत कहानी के साथ-साथ राजकुमार राव, भूमि पेडनेकर, दीया मिर्जा, पंकज कपूर और आशुतोष राणा जैसे शक्तिशाली कलाकारों को दिखाया गया है।दीया ने कहा, यह ट्रेलर हमें लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के दर्द की याद दिलाता है। लाचारी की अनगिनत मानवीय कहानियों को कैप्चर करता है, जिन्हें कभी भी पूरी तरह से डॉक्यूमेंट नहीं किया गया। लॉकडाउन के तीन साल बाद, यह ट्रेलर हमें यह भी याद दिलाता है कि कितनी जल्दी हम उन त्रासदियों को भूल जाते हैं जिन्होंने हमें सीधे प्रभावित नहीं किया है।ट्रेलर में दीया एक ऐसी मां की भूमिका निभाती नजर आ रही हैं, जिसकी जिंदगी अचानक बदल जाती है। अचानक लॉकडाउन के कारण उनका अपने बच्चे तक पहुंचना असंभव हो जाता है।एक्ट्रेस ने कहा- बड़े पैमाने पर मानवीय संकट के बीच अपने बच्चे से अलग होने की भयावहता की कल्पना करना मेरे लिए आसान था, लेकिन यह कहानी विशेषाधिकार और अभाव, शक्ति और शक्तिहीनता, मानवता और अमानवीयता, सहानुभूति और उदासीनता के व्यापक मुद्दों के बारे में भी है।भीड़ 24 मार्च, 2023 को दुनिया भर में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

राजकुमार राव अभिनीत श्रीकांत बोला की बायोपिक 15 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव की श्री 15 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अलाया एफ, ज्योतिका और शरद केलकर भी हैं, बॉयोपिक दृष्टिबाधित उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला की कहानी पर आधारित है।आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में एक किसान परिवार में जन्मे बोल्ला ने अपनी विकलांगता का हवाला देते हुए दसवीं कक्षा की परीक्षा पास करने के बाद विज्ञान विषय में आगे बढने की अनुमति नहीं मिलने पर राज्य सरकार को अदालत में ले गए थे।उन्होंने न केवल केस जीता, बल्कि बारहवीं कक्षा में अपने स्कूल में टॉप किया। वह दिवंगत राष्ट्रपति ए.पी.जे. द्वारा शुरू किए गए लीड इंडिया 2020 अभियान में भी शामिल थे। अब्दुल कलाम के साथ, उन्होंने विकलांग लोगों के पुनर्वास और सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए संगठनों की स्थापना की और बोलेंट इंडस्ट्रीज की स्थापना की, जो बेकार सामग्री से पुन- प्रयोज्य उत्पाद बनाती है।फिल्म का निर्देशन सांड की आंख फेम तुषार हीरानंदानी ने किया है, जिसमें तापसी पन्नू और भूमि पेडनेकर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म जगदीप सिद्धू और सुमित पुरोहित द्वारा लिखी गई है, जिसे प्रथम मेहता ने चित्रित किया है।गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत श्री टी-सीरीज फिल्म्स और चॉक एन चीज फिल्म्स प्रोडक्शन है, जिसमें भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और निधि परमार हीरानंदानी निर्माता के रूप में काम कर रहे हैं।

ब्राउन कलर के आउटफिट में जॉर्जिया एंड्रियानी ने की क्लीवेज फ्लॉन्ट

तस्वीरों की हॉटनेस देखकर फैंस हुए पानी-पानी

एक्टर सलमान खान के भाई अरबाज की गर्लफ्रेंड बेहद ही हॉट और बोल्ड अंदाज में नजर आ रही हैं। लेटेस्ट तस्वीरों में एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी अपने बेहद ही सिजलिंग अवतार से फैंस के दिलों को बेताब किए हुए है। उनकी किलर तस्वीरें फैंस की सांसें थामें को मजबूर कर रही हैं। एक्ट्रेस जार्जिया सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस और बोल्ड तस्वीरों से पारा हाई किए हुए हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होती हैं। ब्राउन कलर की छोटी सी ड्रेस में एक्ट्रेस जॉर्जिया अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। उनकी हॉटनेस देखकर किसी का भी पसीना छूट जाए। 33 साल की जॉर्जिया एंड्रियानी अपनी हॉटनेस से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाने का हुनर बखूबी जानती हैं। एक्ट्रेस जॉर्जिया की तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। साथ ही उनकी तस्वीरों पर बेशुमार लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं। एक्ट्रेस अपने लुक्स और ड्रेसिंग सेंस से फैंस पर कहर बरपाती रहती हैं। साथ ही अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करना नहीं भूलतीं हैं। एक्ट्रेस जॉर्जिया आए दिन अरबाज खान से रिलेशनशिप को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। वहीं वो उनकी एक्स वाइफ मलाइका को कड़ी टक्कर देती हुई दिखती हैं। जॉर्जिया एंड्रियानी के कमाल लुक ने फैंस पर अपनी खास छाप छोड़ी है। फैन फॉलोइंग की अगर बात करें तो एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 1.5 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी अपनी निजी और प्रोफेशनल तस्वीरें फैंस के साथ साझ करती रहती हैं।

फतेह' में सोनू सूद के साथ नजर आएंगी जैकलीन फर्नांडिस

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद की एक्शन ड्रामा फिल्म फतेह की शूटिंग शुरू हो गई है। साइबर क्राइम पर आधारित इस फिल्म में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडिस नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग पंजाब के अमृतसर में शुरू हुई है। सोनू सूद ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। तस्वीरों में सोनू सूद जैकलीन फर्नांडिस के साथ नजर आ रहे हैं। जैकलीन के हाथों में क्लैप बोर्ड दिख रहा है, जिसपर फिल्म का नाम लिखा हुआ है।तस्वीरों के साथ सोनू ने कैप्शन में लिखा, मेरे अगले मिशन पर, फतेह। शूटिंग आज से शुरू। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए सोनू सूद ने कहा, ये फिल्म वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित है, जिसे मैंने लॉकडाउन के दौरान भी लोगों के साथ होते देखा है। जैकलीन फर्नांडिस ने कहा, स्क्रिप्ट को पहली बार पढ़ने के बाद से, मैंने फैसला किया था कि मैं इसका हिस्सा बनना चाहती हूं।अब जब हम फतेह की शूटिंग शुरू कर रहे हैं, तो मैं उत्साहित हूं। हमारे लिए एक ऐसी कहानी सामने लाने के लिए जिसे लोग वास्तव में पसंद करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन वैभव मिश्रा कर रहे हैं। फिल्म में सोनू सूद और जैकलीन फर्नांडिस के अलावा शिवज्योति राजपूत और विजय राज भी अहम किरदार में हैं। यह फिल्म साल 2023 के अंत में रिलीज हो सकती है।

सिल्वर कलर के डीपनेक गाउन में पलक तिवारी ने दिए स्टनिंग पोज

टीवी इंडस्ट्री की नामचीन एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अपनी मां की तरह ही काफी नाम कमा रही हैं। उनकी बोल्डनेस से भरी तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाए रहती हैं। फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। वहीं, सिल्वर कलर के गाउन में एक्ट्रेस पलक तिवारी बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने कातिलाना अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपाने का हुनर बखूबी जानती हैं। पलक तिवारी सिल्वर कलर के डीपनेक गाउन में बेहद ही चार्मिंग लग रही हैं। उनकी किलर तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। लाइट मेकअप और स्टाइलिश हेयर स्टाइल में एक्ट्रेस पलक तिवारी बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं। अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए हुए हैं। उनकी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। बेहद ही कम समय में इस मुकाम को हासिल करने वाली पलक तिवारी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं।

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री को फिल्म कब्जा के हिट होने की उम्मीद

केजीएफ- चैप्टर 1 और केजीएफ- चैप्टर -2, 777 चार्ली और कंटारा की सफलता का लुत्फ उठाने के बाद, कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री इस हफ्ते कब्जा फिल्म रिलीज करने वाली है और पैन-इंडिया लेवल पर शानदार सफलता की उपलब्धि को दोहराने की उम्मीद कर रही है। मंगलवार शाम को बेंगलुरु में एक मेगा प्री-रिलीज इवेंट आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म के स्टारकास्ट उपेंद्र, किच्चा सुदीप और डॉ. शिवराजकुमार सहित अन्य लोग भी शामिल हुए। पूरे भारत में 17 मार्च को रिलीज होने वाली इस फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। फिल्म की टीम उपेंद्र और लीड एक्ट्रेस श्रेया सरन, डायरेक्टर और प्रॉड्यूसर आर. चंद्रू ने सभी मेट्रो सिटीज में फिल्म के प्रमोशन इवेंट्स में भाग लिया।कब्जा टीम ने दावा किया कि यह प्रोजेक्ट भारतीय सिनेमा में अगला बड़ा हिट साबित होगा। चंद्रू ने कहा कि वह केजीएफ चैप्टर-2 की बड़ी सफलता देखने के बाद पैन-इंडिया सुपरहिट फिल्म देने के लिए प्रेरित हुए।

शादी करने और मां बनने पर रिधिमा पंडित ने कह दी बड़ी बात

बहू हमारी रजनीकांत में सुपर ह्यूमनॉइड रोबोट के रूप में फेमस होने वाली रिधिमा पंडित ने पिछले साल सितंबर में अपने एग्स फ्रीज किए थे। वह कहती हैं कि उन्हें अपने फैसले पर गर्व है क्योंकि उसके बाद उनके कई दोस्त इस प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। रिधिमा पंडित का मानना है कि उन्होंने अपने जीवन का सबसे अच्छा निर्णय पिछले साल सितंबर में लिया था, जब उन्होंने अपने एग्स फ्रीज किए थे। वह कहती हैं, मैं आजाद महसूस कर रही हूं। मेरे दिमाग में लंबे समय से एग्स फ्रीज करने की बात चल रही थी और सितंबर में इसके साथ आगे बढना सही लगा, क्योंकि मेरे पास अपने असाइनमेंट के बीच एक महीने का समय था। इसके लिए तैयारी करने और इससे उबरने के लिए यह एक सही फैसला था। इस प्रक्रिया में बेस्ट डॉक्टरों ने मेरा मार्गदर्शन किया।उनका परिवार, खासकर उनकी दिवंगत मां उनके फैसले का समर्थन कर रही थीं। रिधिमा कहती हैं, मेरा परिवार बेहद डेवलप है और इससे भी ज्यादा मेरी मां। मुझे उसके साथ इस बात पर चर्चा करना याद है। जब मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं शादी नहीं करना चाहती, सही आदमी नहीं मिला, या काम पर ध्यान था लेकिन बच्चा पैदा करने के लिए तरस रही थी, तो क्या वह इसके लिए पहले से तैयारी कर लेंगी और उन्होंने जवाब दिया, बेशक, बस इसके लिए जाएं और मुझे उम्मीद है कि आप इसके साथ लोगों को प्रेरित कर सकते हैं। मुझे अपने फैसले पर गर्व है क्योंकि इस प्रक्रिया के लिए बहुत सारे दोस्त जा रहे हैं।कई लोगों का मानना है कि इस तरह के कदम वे लोग उठाते हैं जो शादी और मदरहुड से ज्यादा करियर और लाइफस्टाइल को प्राथमिकता देते हैं। रिद्धिमा, जो अपने शुरुआती 30 के दशक में हैं, कहती हैं, एक महिला

हमेशा इन सवालों से घिरी रहती है कि वह मातृत्व और काम कैसे संभालेगी, लेकिन कोई भी पुरुष से इस बारे में नहीं पूछता। लोग पेशे के बावजूद महत्वाकांक्षी हैं, इसलिए एक्ट्रेसेस को अपने करियर पर ध्यान देने और मां बनने में देरी के लिए दोष नहीं देना चाहिए।बहू हमारी रजनीकांत, खतरों के खिलाड़ी 9 और हैवान जैसे टीवी शो में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस ने कहा कि उनके एग्स फ्रीज करने का मतलब यह नहीं है कि वह शादी को टालना चाहती हैं। वह कहती हैं, अभी मेरा कोई साथी नहीं है।

इसलिए बाद में पछताने के बजाय इस पर आगे बढना सही समझा। सबसे जरूरी कारण एक महिला का सीमित प्रजनन समय है और मुझे बच्चा पैदा करने के लिए शादी करने का दबाव महसूस नहीं करना है। बेशक, मैं स्वाभाविक रूप से भी प्रेग्नेंट होना चाहूंगी। लेकिन भगवान न करे, अगर ऐसा नहीं होता है, तो मेरे पास यह ऑप्शन है।वह आगे कहती हैं, मैं शादी को एक संस्था के रूप में मानती हूं और एक दिन ये करना चाहूंगी। मेरी 93 साल की दादी मेरी शादी को लेकर जुनूनी हैं। जब मैंने उन्हें प्रक्रिया के बारे में बताया तो वह विश्वास नहीं कर सकीं लेकिन इस कदम को उठाने के लिए डॉक्टर्स ने मेरी सराहना की। एक्ट्रेस को अपने खाने का ध्यान रखना था और एक स्वस्थ लाइफस्टाइल को बनाए रखना था। उन्होंने कहा, मुझे प्रक्रिया से पहले कुछ महीनों के लिए विटामिन की गोलियां और लगभग 10 दिनों के लिए हार्मोनल इंजेक्शन लेने पड़े। अंतिम दिन जब मुझे एक साथ पांच शॉट लेने थे तो यह थोड़ा अचंभित करने वाला था लेकिन मुझे पता था कि सब कुछ इसके लायक था। मुझे अपने जीवन और लाइफस्टाइल में वापस आने में एक सप्ताह से अधिक का समय लगा।

हाईकोर्ट में अधिवक्ता चुनाव का समापन

ग्वालियर। शहर में हाईकोर्ट में अधिवक्ता चुनाव का समापन हुआ। जिसमें अधिवक्ताओं का एक उच्च स्तर का जोश उल्हास दिखा, जिसमें वोट देने के लिए समस्त शहर के अधिवक्ता सम्मिलित हुए। अधिवक्ता अपने-अपने चयनित प्रत्याशीयों को जीत हासिल कराने एवं प्रचार-प्रसार में पूर्ण योगदान दिया। जिसमें राज्य अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष प्रेम सिंह भदौरिया, वर्तमान कार्यकारिणी सदस्य, मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष मोनिका जैन एडवोकेट एवं अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता गण उपस्थित हुए एवं अपना महत्वपूर्ण वोट देखकर चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस चुनाव मैं अनेकों नव अधिवक्ताओं ने भी प्रथम बार वोट वोट देकर अपना योगदान दिया।

विशेष नशा मुक्ति सप्ताह : केन्द्रीय जेल में विधिक साक्षरता शिविर

ग्वालियर । राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर ग्वालियर जिले में भी गत 18 अप्रैल से 24 अप्रैल तक प्रदेश में विशेष नशामुक्ति सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर द्वारा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रेम नारायण सिंह एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गालिब रसूल के मार्गदर्शन में केंद्रीय जेल में नशा पीड़ितों को विधिक सेवाओं की जानकारी देने एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। केंद्रीय जेल ग्वालियर में आयोजित शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रकार का नशा हमारे लिए हानिकारक और जानलेवा साबित हो सकता है। नशे से कई परिवार बिखर गए हैं। नशा विनाश का कारण है। अगर हमें एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करना है, तो नशे जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं, नशा उन्मूलन विधिक सेवा योजना और नि:शुल्क विधिक सहायता योजना के बारें में विस्तार से जानकारी दी। सहायक जेल अधीक्षक नीरज यादव ने भी नशे से होने वाले नुकसान वड़ केन्द्रीय जेल में नशा छुड़वाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के संबंध में बंदियों को जानकारी प्रदानड़ की। इस अवसर पर केन्द्रीय जेल के अधीक्षक विदित सिरवैया व सहायक जेल अधीक्षक प्रवीण त्रिपाठी सहित लगभग 150 बंदी उपस्थित रहे।

लाड़ली बहनाओं के सहयोग के लिये डाक कर्मचारी भी आगे आए, महिलाओं के खाते खोलने पहुँचे

ग्वालियर । मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के काम में सहयोग के लिये डाकघर (पोस्ट ऑफिस) के अधिकारी ङ्क कर्मचारी भी आगे आए हैं। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में शनिवार को शहर से लेकर गाँव-गाँव में पोस्ट ऑफिस के डाक सहायक से लेकर अन्य कर्मचारी खाते खोलने के लिये पहुँचे। मुख्य डाक प्रबंधक ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि यदि किसी कर्मचारी ने मुख्यमंत्री ला?ली बहना योजना में पंजीकृत महिलाओं के खाते खोलने, आधार मिलान व डीबीटी करने में आनाकानी की या सिलाई बरती तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए इपिक (मतदाता पहचान पत्र) का वितरण भी प्रमुखता से करने पर बल दिया गया है। साथ ही डाक सहायकों (पोस्टमेन) को आगाह किया गया है कि इस कार्य में लापरवाही पाए जाने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

दमोह शहर के तीन स्थानों पर बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम हेतु,रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू

पुष्पांजलि टुडे

दमोह।कलेक्टर मयंक अग्रवाल के निर्देशन में दमोह शहर के तीन स्थानों पर बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम हेतु रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप कुमार राय के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, जिसमें जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सह समस्त सदस्य, विशेष किशोर इकाई पुलिस विभाग, चाइल्ड लाइन के अधिकारी कर्मचारी रहे। टीम द्वारा सर्वप्रथम कीर्ति स्तंभ व कैदों की तलैया में रेस्क्यू ऑपरेशन किया। जिसमें उक्त स्थान के समस्त रहवासियों को भिक्षा वृत्ति के प्रति जागरूक किया गया साथ ही समझाइस दी गई कि बच्चों को शिक्षा के अधिकारों के तहत अनिवार्य एवं नि:शुल्क शालाओं में भेजें, यदि कोई समस्या है, तो बतायें शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पात्रता अनुसार शालाओं से जोड़ा जाएगा। टीम द्वारा चिन्हित बच्चों के साथ स्थानीय शाला का भ्रमण किया गया ताकि वस्तु स्तिथि का जायजा लिया जा सके। एक चिन्हित बालक को प्रति सप्ताह चाइल्ड लाइन के माध्यम से समिति के समक्ष प्रस्तुत कर पुर्नवास की समीक्षा की कार्यवाही भी की गयी। इसके पश्चात टीम घंटाघर चौराहे पर पहुंची, जहां पर एक महिला छोटे से बच्चे को गोद मे लिए हुए 2 अन्य लड़कियों के साथ भिक्षावृत्ति करते हुए पाई गई, जिसे तत्काल वन स्टॉप सेंटर एवं 2 बालिकाओं को देखरेख संस्था में भेजा गया। इसके पश्चात टीम बस स्टैंड से होते हुए फ्रेस एण्ड फाइन दुकान से होते हुए कचौरा कॉम्प्लेक्स से लगी हुई बस्तियों की ओर जाते हुए कचरा बीनते हुए पाए गए, उन्हें लेकर टीम उनके घर, बस्ती में पहुँची तथा पूरे समुदाय को बच्चों से ऐसा न कराने एवं इन्हें शालाओं में भेजने हेतु समझाइस दी गई साथ ही इन दोंनो बच्चों को रेस्क्यू कर बाल देख रेख संस्था भेजा गया।

चार उचित मूल्यों की दुकानों के प्राधिकार पत्र निरस्त

ग्वालियर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित शासन निर्देशों का उल्लंघन एवं अन्य अनियमिततायें पाए जाने पर जिले की चार उचित मूल्य की दुकानों के प्राधिकार पत्र निरस्त कर दिए गए हैं। एसडीएम घाटीगाँव अनिल बनवारिया ने सहायक आपूर्ति अधिकारी विपिन श्रीवास्तव के प्रतिवेदन के आधार पर यह कार्रवाई की है। एसडीएम अनिल बनवारिया ने बताया कि इन उचित मूल्य की दुकानों द्वारा दुकान में पंजीकृत सदस्यों की ई-केवायसी और मोबाइल सीडिंग का कार्य नहीं किया गया । पाटई, पवा, लखनपुरा व उम्मेदग? की उचित मूल्य की दुकानों का यह कृत्य आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा के तहत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आता है। यह अनियमितातायें पाए जाने पर इन इन उचित मूल्य की दुकानों को विधिवत कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर इन दुकानों के प्राधिकार पत्र निरस्त किए गए हैं।

लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ होगी दण्डात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव भेजें : कलेक्टर

ग्वालियर । स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रति बरती जा रही उदासीनता संबंधित अधिकारियों को भारी प?ने जा रही है। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने इन अधिकारियों के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने गुरूवार को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और महिला ङ्क बाल विकास विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में समीक्षा के दौरान कलेक्टर सिंह ने पहले त्रैमास में गर्भवती माताओं के कम पंजीयन पर असंतोष जाहिर किया। उन्होंने हीमोग्लोबिन मीटर की कमी पर भी नाराजगी जताई। कलेक्टर सिंह ने एनआरसी (पोषण पुनर्वास केन्द्र), गर्भवती माताओं के कल्याण के लिये संचालित योजनाएँ, असंचारी रोग निवारण कार्यक्रम, ला?ली लक्ष्मी योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति ठीक न पाए जाने पर सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने जिला स्वास्थ्य अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास को दिए।

कलेक्टर सिंह ने जोर देकर कहा कि जिले में संचालित सभी एनआरसी की क्षमताओं का पूरा उपयोग हो। स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर कम वजन के बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराएँ। साथ ही एनआरसी की सुविधाओं के बारे में प्रचार-प्रसार भी करें, जिससे माताएँ स्वत- ही कम वजन के बच्चों को एनआरसी में लेकर आने लगें। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकार द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सेवायें मुहैया कराने के लिये संचालित कार्यक्रमों का लाभ आम जन को बिना कठिनाई के मिलना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की ?लाई बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक में संजीवनी क्लीनिक, मलेरिया नियंत्रण, कुष्ठ निवारण, राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम, आयुष्मान भारत योजना, टीकाकरण का सिटी मॉडल, ला?ली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की अन्य योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने हाल ही में सामने आए कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखकर जिला चिकित्सालय सहित अन्य अस्पतालों में कोरोना के इलाज के लिए एहतियात बतौर पुख्ता इंतजाम रखने पर बल दिया। साथ ही निर्देश दिए कि चिकित्सक द्वारा खाँसी-जुकाम इत्यादि रोगों के जिन मरीजों को कोरोना जांच की सलाह दी जाए उनकी जांच अनिवार्यत- कराई जाए। साथ ही संक्रमित मरीजों को होम आईसोलेशन के दौरान कौन-कौन सी सावधानी बरतनी हैं यह भी बताएँ, जिससे परिवार के अन्य सदस्यगण संक्रमण से बच सकें। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आर के गुप्ता, सिविल सर्जन डॉ. आर के शर्मा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

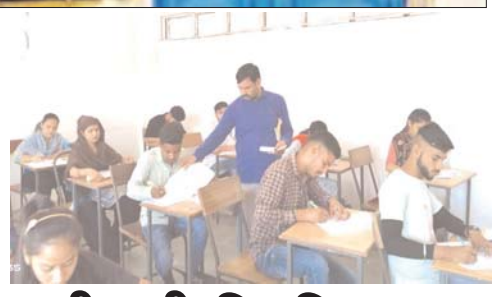

जीवाजी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में 10 नकलची पकडे

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय की चल रही परीक्षाओं में 10 नकलची पकड़े गए। बुधवार को इतिहास, अर्थशास्त्र सांख्यिकी, दर्शनशास्त्र का पेपर था। गवर्नमेंट कालेज मोहना में 2 नकलची पकड़े गए। गवर्नमेंट कालेज इंदरगढ़ में 8 नकलची पकड़े गये। पीआरओ डॉ. विमलेन्द्र सिंह राठौर ने बताया कि बुधवार को कुल 10 नकल प्रकरण बने। यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं में दल लगातार भेजे जा रहे हैं।

औचक रूप से बैंकों में पहुँचे कलेक्टर, महिलाओं को बटवाए टोकन और आधार सीडिंग व डीबीटी कार्य का लिया जायजा

ग्वालियर 7 ग्वालियर शहर से लेकर जिले के दूरस्थ कस्बों व गाँवों में संचालित विभिन्न बैंक की शाखाओं में महिलाओं के खाते खुलवाने, खातों को आधार से लिंक कराने और डीबीटी (डायरेक्ट बेनीफिसरी ट्रांसफर) के काम को गति देने के उद्देश्य से गुरूवार को विशेष मुहिम चलाई गई। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह सहित जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न बैंक शाखाओं में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत पंजीकृत महिलाओं के सहयोग के लिये चलाई गई इस मुहिम का जायजा लेने पहुँचे। कलेक्टर ने दीनदयालनगर स्थित बैंक ऑफ इंडिया तथा विकासखंड घाटीगाँव के अंतर्गत बरई व घाटीगाँव के सेंट्रल बैंक का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर सिंह ने भ्रमण के दौरान निर्देश दिए कि बैंक के अलावा बीसी (बैंक कॉरस्पोंडेंट) और पोस्ट ऑफिस के माध्यम से भी खाते खुलवाने के लिये महिलाओं को प्रेरित करें। यहाँ पर खाते खुलवाने से एक बार में ही आधार सीडिंग व डीबीटी का काम भी हो जाता है। इससे बैंकों पर कम दवाब पड़ेगा और वहाँ पर पुराने खाते धारकों की डीबीटी का काम प्रमुखता से किया जा सकेगा। उन्होंने बरई के सेंट्रल बैंक में महिलाओं की भीड़ पाई जाने पर अपने समक्ष में टोकन बटवाए, जिससे महिलायें सुविधाजनक तरीके से बैंक संबंधी काम करा सकें। उन्होंने बैंकों में आधार मिलान एवं डीबीटी कार्य की प्रक्रिया भी देखी। गुरूवार को कलेक्टर सिंह के अलावा डबरा एसडीएम प्रखर सिंह सहित जिले के अन्य एसडीएम, नगर निगम के अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर जे पी गुप्ता, लीड बैंक अधिकारी सहित विभिन्न बैंकों के समन्वयक, जनपद पंचायतों के सीईओ एवं लाड़ली बहना योजना के नोडल अधिकारी के रूप में तैनात विभिन्न विभागों के जिला व खंड स्तरीय अधिकारियों ने भी विभिन्न बैंकों में पहुँचकर खाता खुलवाने, आधार सीड़िंग व डीबीटी के काम को गति दिलाई। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने बैंकों और लाड़ली बहना योजना के

पंजीयन केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्था बनायें जिससे महिलाओं को बैंक संबंधी कार्य, पंजीयन और ई-केवायसी इत्यादि के लिये कम से कम इंतजार करना पड़े। कलेक्टर ने गुरूवार को दीनदयालनगर स्थित मंगल भवन में संचालित लाड़ली बहना योजना के पंजीयन केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंगल भवन की खिड़की पर लाइन में लगकर पंजीयन प्रक्रिया की वस्तुस्थिति जानी। इस केन्द्र पर दोपहर 2 बजे के बाद तीन घंटे के भीतर लगभग 85 महिलाओं का पंजीयन किया जा चुका है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जब सर्वर डाउन होने की समस्या आए तब लाइन में लगीं सभी महिलाओं के मोबाइल नम्बर नोट कर लें और सर्वर ठीक होने पर उन्हें फोन करके पुन- बुलाएँ। उन्होंने चलने-फिरने में असमर्थ महिलाओं को वाहन भेजकर बुलाने के निर्देश भी दिए। श्री सिंह ने वार्ड-19 के अंतर्गत कुंज विहार कॉलोनी के पंजीयन शिविर का भी जायजा लिया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478